सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./दुर्ग/1000000029/2026-28

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 17 अंक - 129 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, शुक्रवार 20 फरवरी 2026 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास-खबर

बैंक का चक्कर खत्म, अंगूठा लगाते ही मिला पेंशन

कबीरधाम। उम्र 86 साल, चेहरे पर झुर्रियां, लेकिन आँखों में आत्मनिर्भरता की चमक। कबीरधाम जिले के ग्राम राजानवागांव की भक्तिन राय के लिए डिजिटल तकनीक अब केवल शब्द नहीं, बल्कि उनके बुढ़ापे की लाठी बन गई है। 30 साल पहले पति को खोने के बाद जिस पेंशन के लिए उन्हें बैंक के चक्कर काटने पड़ते थे, आज वही पैसा उनके गांव के डिजिटल सुविधा केंद्र में एक अंगूठे के निशान पर मिल जाता है। आज एक छोटा सा केंद्र भक्तिन राय जैसे हजारों ग्रामीणों के लिए डिजिटल वरदान साबित हो रहा है।

22 राज्यों-केंद्र शासित प्रदेशों में एसआईआर की घोषणा

नई दिल्ली। चुनाव आयोग ने गुरुवार को देशभर में स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन की घोषणा कर दी है। चुनाव आयोग के सचिव पवन दीवान ने 22 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों को लेटर लिखकर तैयारी जल्द पूरा करने के लिए कहा है। चुनाव आयोग ने लेटर में बताया कि दिल्ली, कर्नाटक सहित शेष 22 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में एसआईआर प्रक्रिया अप्रैल से शुरू होने की उम्मीद है।

सांसद सिंग्कोन के निधन पर पीएम ने जताया शोक

नई दिल्ली। वॉइस ऑफ द पीपल पार्टी के सांसद रिकी एजे सिंग्कोन के निधन पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दुख जताया है। शिलॉन्ग सांसद की गुरुवार शाम फुटसल खेलते समय तबीयत बिगड़ गई थी, इसी के बाद अस्पताल में इलाज के दौरान उनका निधन हो गया। प्रधानमंत्री मोदी ने भी शिलांग से लोकसभा सांसद डॉ. रिकी ए.जे. पीएम मोदी ने कहा कि मेघालय की जनता के प्रति उनकी समर्पित सेवा के लिए उन्हें हमेशा याद किया जाएगा। इस कठिन समय में मेरी संवेदनाएं उनके परिवार, मित्रों, समर्थकों के साथ हैं। ईश्वर उनकी आत्मा को शांति प्रदान करें।

अंगूर लदा ट्रक नदी में गिरा, मच गई लूट, चीखें अनसुनी

दरभंगा। बिहार में महिला, पुरुष, बच्चे सब के सब अंगूर पर हाथ साफ करने में जुट गए। जख्मी ड्राइवर-खलासी को कोई पूछने वाला नहीं था। दरअसल, दरभंगा के सिंघवाड़ा इलाके में अतेरबेल पुल के पास एक बेकाबू ट्रक अनबैलेंस खोकर सीधे नदी में जा गिरा। ट्रक में अंगूर के कार्टन भरे पड़े थे। हादसे के बाद अंगूर से भरे कार्टन पानी में तैरने लगे। हैरान करने वाली बात ये रही कि घटनास्थल पर मौजूद भीड़ ने हादसे में जख्मी ड्राइवर और हेल्पर की चीखें अनसुनी कर दी।

गिधवा परसदी पक्षी विहार में पहुंचा प्रवासी मल्लार्ड, बढ़ी आर्द्रभूमि की रौनक, यहां ग्रामीण करते हैं पक्षियों की सुरक्षा

दीपक रंजन दास

रायपुर। छत्तीसगढ़ के प्रसिद्ध पक्षी विहार क्षेत्र गिधवा टैंक में इस वर्ष अक्टूबर 2025 में एक खास प्रवासी मेहमान ने दस्तक दी। यह मेहमान है सुंदर और आकर्षक जलपक्षी मल्लार्ड बत्तख, जिसने पहली बार यहां अपना आगमन दर्ज कराया। उल्लेखनीय है कि इस आर्द्रभूमि में आने वाले मेहमान विदेशी पक्षियों की सुरक्षा स्वयं ग्रामीण करते हैं। जब तक ये पक्षी यहां रहते हैं, गांव वालों का इधर आना वर्जित रहता है। यदि कोई इन पक्षियों का शिकार करता पकड़ा जाता है तो ग्रामीण उससे तगड़ा दंड वसूलते हैं और सार्वजनिक रूप से प्रताड़ित करते हैं।

मल्लार्ड गिधवा टैंक के शांत और स्वच्छ वातावरण में सहज रूप से बस गई। यहां उपलब्ध सुरक्षित आवास, भरपूर जल और प्राकृतिक भोजन ने उसे रुकने के लिए अनुकूल माहौल दिया। धीरे-धीरे वह अन्य स्थानीय और प्रवासी पक्षियों के साथ घुल-मिल गई और क्षेत्र का हिस्सा बन गई। गिधवा टैंक अपनी समृद्ध जैव-विविधता और पक्षी प्रेमियों के लिए विशेष पहचान रखता है। मल्लार्ड के आगमन से इसका आकर्षण और बढ़ गया है। पक्षी प्रेमी और प्रकृति पर्यवेक्षक इस दुर्लभ अतिथि को देखने और उसके व्यवहार का अध्ययन करने के लिए उत्साहित हैं।

मल्लार्ड बत्तखों का यहां आगमन न केवल क्षेत्र की प्राकृतिक समृद्धि को दर्शाता है, बल्कि छत्तीसगढ़ की पारिस्थितिक महत्वता को भी उजागर करता है। यह कहानी बताती है कि जब संरक्षण और संवर्धन के प्रयास लगातार किए जाते हैं, तो प्रकृति भी सकारात्मक परिणाम देती है।

मुफ्त में मिलेगा सबकुछ तो लोग काम क्यों करेंगे, फ्री-बीज़ नहीं रोजगार दें : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली (ए.)। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को फ्रीबीज कल्चर (मुफ्त की रेवड़ियां) पर कहा कि अगर सरकार लोगों को सुबह से शाम तक फ्री खाना, गैस और बिजली देती रहेगी तो लोग काम क्यों करेंगे। ऐसे तो काम करने की आदत खत्म हो जाएगी। सरकार को रोजगार देने पर फोकस करना चाहिए।

सीजेआई सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस विपुल एम पंचोली की बेंच ने कहा कि देश के ज्यादातर राज्य राजस्व घाटे में हैं, फिर भी विकास को नजरअंदाज कर मुफ्त की घोषणाएं कर रहे हैं।

कोर्ट ने कहा- गरीबों की मदद करना समझ में आता है, लेकिन बिना फर्क किए सबको मुफ्त सुविधा देना सही नहीं है। सुप्रीम कोर्ट ने यह टिप्पणी तमिलनाडु पावर डिस्ट्रीब्यूशन कॉर्पोरेशन लिमिटेड की याचिका पर सुनवाई करते हुए की। इसमें कंज्यूमर्स की फाइनेंशियल हालत की परवाह किए बिना सभी को फ्री बिजली देने का प्रस्ताव था। राज्य सरकार घरेलू उपभोक्ताओं को हर दो-महीने में 100 यूनिट तक मुफ्त बिजली देती है।

कोर्ट ने इस मामले में केंद्र सरकार और अन्य पक्षों को नोटिस जारी किया है।

यह है देश का हाल

देश के 19 राज्यों की कुल सब्सिडी का 53 फीसद बिजली सब्सिडी पर ही खर्च होता है। 10 राज्यों का अनुमान है कि 2025-26 के राजस्व में घाटा होगा। राज्यों का संयुक्त राजकोषीय घाटा 2024-25 में जीडीपी का 3.3 फीसद रहा। 3 साल तक 3 फीसद से नीचे था।

सीजेआई के 3 कमेंट

- रोजगार के रास्ते बनने चाहिए, ताकि लोग कमा सकें और इज्जत और आत्म सम्मान के साथ जी सकें। सबकुछ मुफ्त मिलेगा तो कोई काम क्यों करेगा? क्या हम ऐसा देश बनाना चाहते हैं?
- चुनाव के आस-पास स्कीम क्यों अनाउंस की जाती हैं? सभी पॉलिटिकल पार्टियां, नेता फिर से सोचें। अगर हम इस तरह से उदारता दिखाते रहे तो हम देश के डेवलपमेंट में रुकावट डालेंगे। एक बैलेंस होना चाहिए। ऐसा कब तक चलेगा?
- यह तो समझ में आता है कि कल्याणकारी योजना के तहत आप उन लोगों को राहत दें, जो बिजली का बिल नहीं चुका सकते। लेकिन जो लोग भुगतान करने में सक्षम हैं और जो नहीं हैं, उनके बीच कोई फर्क किए बिना मुफ्त सुविधा देना क्या तुष्टीकरण की नीति नहीं है?

स्कूल शिक्षा विभाग में 5000 पदों पर होगी भर्ती, जल्द जारी होगा विज्ञापन

रायपुर। स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा सहायक शिक्षक, शिक्षक, व्याख्याता एवं सहायक शिक्षक विज्ञान (प्रयोगशाला) के कुल 5000 पदों पर भर्ती का विज्ञापन शीघ्र ही जारी किया जा रहा है। शासन ने परीक्षा आयोजन के लिये छत्तीसगढ़ व्यापम को अधिकृत किया है एवं विभाग द्वारा विज्ञापन जारी करने संबंधी सभी प्रक्रियाओं को पूर्ण कर आवश्यक प्रपत्र व्यापम को उपलब्ध करा दिया गया है। इसके साथ ही सीधी भर्ती 2023 की भर्ती प्रक्रिया पूर्ण हो चुकी है। इन पदों के लिए चयन व्यावसायिक परीक्षा मंडल द्वारा आयोजित लिखित परीक्षा के माध्यम से किया जाएगा। मुख्यमंत्री के निर्देशों के बाद, यह भर्ती राज्य के विभिन्न स्कूलों में शिक्षकों की कमी को दूर करने के लिए की जा रही है। इस फैसले से राज्य भर के सरकारी स्कूलों में टीचरों की कमी को दूर करने में मदद मिलेगी। भर्ती प्रक्रिया के बारे में डिटेल्ड गाइडलाइंस आने वाले दिनों में जारी की जाएगी।

हैदराबाद के कोचिंग सेन्टर में लगी भीषण आग, बाल्कनी से कूदे छात्र

हैदराबाद (ए.)। तेलंगाना की राजधानी हैदराबाद में शुक्रवार को एक कोचिंग सेंटर में अचानक आग लग गई। आग लगने से वहां अफरातफरी मच गई। तुरंत पुलिस और फायर ब्रिगेड को सूचना दी गई और कोचिंग में पढ़ने वाले छात्रों को बचाने के लिए रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया गया।

आग लगने की यह घटना शहर के अमीरपेट मेट्रो स्टेशन के करीब हुई। कुछ छात्रों को सुरक्षित बचा लिया गया है। शुरुआती आकलन के अनुसार आग शॉर्ट सर्किट के कारण लगी।

बिल्डिंग के अंदर से काला घना धुआं उठता हुआ दूर से भी दिखाई दे रहा है। बिल्डिंग से निकलते धुंए से आसपास के इलाकों में भी लोग डर गए। कोचिंग सेंटर में पढ़ने आए बच्चों में दहशत का माहौल देखने को मिला। कुछ छात्रों ने बिल्डिंग से कूदने की भी कोशिश की।

खिड़की से कूदने की कोशिश कर रहे कुछ छात्रों को फायर और पुलिस विभाग की टीम ने रोका और तुरंत बचाव ऑपरेशन चलाकर उन्हें सुरक्षित नीचे उतारा। खबरों के मुताबिक कुछ छात्र अब भी बिल्डिंग में फंसे हुए हैं। फायर ब्रिगेड की टीम उन्हें बचाने के लिए अभियान चलाए हुए है।

पेट्रोल पंप पर सिगरेट पीने से मना किया तो नोजल को दिखा दी आग, पाइप के साथ बाइक भी खाक

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। पेट्रोल पंप पर सिगरेट पीने से मना करने पर नाराज युवक ने नोजल पाइप में लाइटर से आग लगा दी। इससे नोजल पाइप के साथ पेट्रोल भरवा रहे दोस्त की बाइक की टंकी में भी आग भड़क उठी।

उरला पुलिस के अनुसार, 18 फरवरी रात 8 बजे धर्मेंद्र क्षत्री और इमरान पेट्रोल भरवाने के लिए बाइक पर उरला के संगीता फ्यूल्स पेट्रोल पंप पहुंचे थे।

इमरान बाइक पर बैठा और धर्मेंद्र पंप के पास खड़ा था।

जैसे ही इमरान ने टंकी खोली, धर्मेंद्र सिगरेट जलाने लगा। इमरान ने उसे धक्का दिया, तो धर्मेंद्र ने नोजल पाइप में आग लगा दी। धर्मेंद्र की इस हरकत से पंप मशीन और बाइक की टंकी में आग लग गई। पंप कर्मी ने गाड़ी से पाइप खींचा तो जलता हुआ तेल धर्मेंद्र के ऊपर भी जा गिरा। पंपकर्मी ने मेन स्विच से टंकी बंद की और आग को तत्काल बुझाया।

आरोपियों ने भागने की कोशिश की, लेकिन पंपकर्मियों ने उन्हें पकड़ लिया। पंप के मैनेजर की लिखित शिकायत पर पुलिस ने आरोपियों को गिरफ्तार किया है और आगे की कार्रवाई कर रही है।

पुतला दहन की आग में ट्रैफिक टीआई झुलसे

मैहर। शुक्रवार सुबह करीब 9.30 बजे कांग्रेस के विरोध प्रदर्शन के दौरान ट्रैफिक टीआई भी झुलस गए। यह घटना उस समय हुई, जब प्रदर्शनकारी पुतला दहन कर रहे थे और पुलिस उन्हें रोकने की कोशिश कर रही थी। यह प्रदर्शन प्रदेश के नगरीय विकास एवं आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय के खिलाफ किया जा रहा था। दरअसल, विजयवर्गीय ने नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंगार के खिलाफ अपशब्द कहे थे। पुतला दहन के दौरान टीआई विक्रम सिंह पाठक हालात संभालने की कोशिश कर रहे थे।

ऐसे आदमी का नाम बच्चे से क्यों जोड़ना - हाईकोर्ट

मुम्बई (ए.)। बॉम्बे हाइकोर्ट की औरंगाबाद पीठ ने बच्ची के पिता का नाम स्कूल के रिकॉर्ड्स से हटाने की रेप पीड़ित मां की याचिका पर सुनवाई की। कोर्ट ने कहा कि बच्चे का पालन-पोषण अकेले करने वाली मां को पूर्ण अभिभावक मानना दया नहीं, संविधान के प्रति निष्ठा है।

जस्टिस विभा कांकणवाड़ी और जस्टिस हितेन वेणुगावकर की पीठ ने कहा कि बच्चे की पहचान ऐसे पिता से क्यों जोड़नी, जिसका जीवन में कोई संबंध नहीं? संविधान का अनुच्छेद 21 सम्मान के साथ जीने का अधिकार देता है

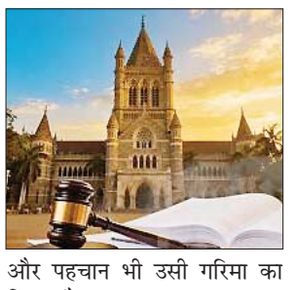

और पहचान भी उसी गरिमा का हिस्सा है।

दरअसल, इस मामले में मां दुष्कर्म पीड़िता है। डीएनए टेस्ट से आरोपी बॉयोलॉजिकल पिता सिद्ध हुआ था। लेकिन उसने बच्चे से अलग रहना चुना। इसके बावजूद जन्म प्रमाणपत्र और स्कूल रिकॉर्ड में पिता का नाम दर्ज था। स्कूल ने इसमें संशोधन से इनकार किया गया तो मां-बेटी हाइकोर्ट पहुंचीं। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि स्कूल जाति प्रमाणन प्राधिकरण नहीं, पर स्पेशल केस में रिकॉर्ड को ठीक किया जा सकता है।

औरंगाबाद सीट पर बैठी जस्टिस विभा कंकनवाड़ी और जस्टिस हितेन वेनेगावकर की डिवीजन बेंच ने 2 फरवरी को यह फैसला सुनाया था। बेंच ने कहा कि जो महिलाएं अपने बच्चों की परवरिश अकेले करती हैं, उनके अधिकारों को प्रशासनिक स्तर पर भी मान्यता मिलनी चाहिए।

सराफा लूटकांड का खुलासा; तिहाड़ से लेकर आए थे आइडिया

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। 17 फरवरी की रात को बिलासपुर की सड़क पर सराफा व्यापारी को घायल कर लूटने वाले गिरोह का राजफाश हो गया है। पुलिस ने अंतरराज्यीय गिरोह पर से पर्दा उठाते हुए बताया है कि आरोपियों को इसकी पूरी ट्रेनिंग तिहाड़ जेल में मिली थी। रिहा होने के बाद यह उनका दूसरा प्रयास था। पहली कोशिश फेल हो गई थी।

पांच करोड़ रुपए के सोना और नगदी की लूट का मास्टर माइंड विजय लांबा दिल्ली का शातिर अपराधी है। उसके खिलाफ 70 से अधिक मामले हैं। तिहाड़ में उसकी मुलाकात गौतमबुद्धनगर के मोनू उर्फ राहुल से हुई। दोनों ने जेल में ही प्लान बनाया। जेल से छुटते ही बिलासपुर पहुंचे। घटना को अंजाम देने से पहले रेकी कराई गई थी।

भागने के लिए सुरक्षित रास्ते भी तय थे। प्लानिंग सफल भी हो गई, पर वे यूपी पुलिस के हत्थे चढ़ गए। लांबा के गिरोह में मोनू के अलावा कोटा का विनोद उर्फ बीनू, बरेली का करीम खाम तथा बिलासपुर का ही इरफान अली शामिल थे।

दो माह पहले पहली कोशिश

दो महीना पहले लांबा ने गगनदीप और अन्य दो साथियों आमीर, शकील के साथ मिलकर सरकंडा थाना क्षेत्र में लखन लाल देवांगन को निशाना बनाया था। आरोपियों ने पिस्तौल दिखाकर लखन के गले से सोने की चेन लूटने की कोशिश की थी। पर गगनदीप बंसल को मध्यप्रदेश के अनूपपुर से गिरफ्तार किया था।

एयरबस का पहला 'स्वदेशी' हेलिकॉप्टर 2027 में

नई दिल्ली। भारत में नए प्रोडक्शन लाइन मिलने के बाद एविएशन क्षेत्र की ग्लोबल कंपनी एयरबस की उम्मीदें आसमान छूने लगी हैं। कंपनी को उम्मीद है कि भारत में रीजनल कनेक्टिविटी में ही उसके 1,000 से ज्यादा हेलिकॉप्टर खप जाएंगे। इनके अलावा सशस्त्र सेनाओं की जरूरतें पूरी करने के लिए जो डिमांड मिलेगी, वह अलग। एयरबस हेलिकॉप्टर्स के सीईओ ब्रूनो इवेन ने कहा कि नई असेंबली लाइन से पहला हेलिकॉप्टर 2027 की शुरुआत में आने की उम्मीद है।

हेल्थ एडवाइजरी : थायराइड की दवा से सेन्ट्रल नर्वस सिस्टम को नुकसान

नई दिल्ली (ए.)। थायरॉइड और संक्रमण की दवाओं के लिए सरकार नई सेफ्टी वॉर्निंग लाने की तैयारी में है। एंटीबायोटिक डॉक्सीसाइक्लिन और थायरॉइड की दवा कार्बिमाजोल, देश में इन दो दवाओं का सबसे ज्यादा इस्तेमाल होता है। जल्द ही एडवर्स ड्रग रिएक्शन रिपोर्ट के नेशनल रिव्यू के बाद उन पर ज्यादा कड़ी सेफ्टी वॉर्निंग दी जाएगी।

नवभारतटाइम्स.कॉम के अनुसार रेगुलेटर्स ने डॉक्सी-साइक्लिन से जुड़े संभावित मेंटल हेल्थ लक्षणों और कार्बिमाजोल से जुड़े एक रेयर लेकिन जानलेवा ब्लड डिसऑर्डर को चिन्हित किया है। इस महीने जारी अलग-अलग कम्युनिकेशन में सेंट्रल ड्रग्स स्टैंडर्ड कंट्रोल ऑर्गनाइज़ेशन और ड्रग्स कंट्रोलर जनरल ऑफ इंडिया ने सभी राज्य और केंद्र शासित प्रदेशों की लाइसेंसिंग अथॉरिटीज को निर्देश दिया कि वे यह पक्का करें कि मैन्युफैक्चरर्स दोनों दवाओं के लिए प्रिस्क्राइबिंग जानकारी और पैकेज इंसर्ट अपडेट करें और कम्प्लायंस की रिपोर्ट करें।

शिवजी के गणों ने खुद किया था इस मंदिर का निर्माण

इंटरनेट डेस्क

मुरैना। भारत मंदिरों का देश है। यहां लाखों की संख्या में मंदिर हैं। इनमें से कई न केवल दर्शनीय हैं बल्कि उनसे जुड़ी कथाएं भी चकित करती हैं। कुछ मंदिर अपनी स्थापत्य कला के कारण चर्चित हैं तो कहीं की दिव्यता हमें हैरान करती है। आज हम जिस मंदिर की बात कर रहे हैं उसे शिवजी के गणों ने शिवादेश पर बनाया था। किन्हीं कारणों से यह अधूरा रह गया। पर उसके खण्डहर आज भी रोमांचित करते हैं।

हम बात कर रहे हैं 11वीं सदी में निर्मित ककनमठ मंदिर की। यह मंदिर मुरैना जिले के सिहोनियां कस्बे में स्थित है। जमीन से लगभग 115 फुट की ऊंचाई पर स्थित यह मंदिर सिहोनिया से दो

किमी दूर से ही दिखाई देने लगता है। मंदिर खंडहर की अवस्था में है। परिसर में घुसते ही जमीन पर इसके अवशेष दिखने लगते हैं।

भगवान शिव को समर्पित इस मंदिर में जाने के लिए थोड़ी सीढ़ियां चढ़नी पड़ेंगी, इसके बाद ही शिवलिंग के दर्शन हो सकेंगे। दोनों तरफ कई खम्बे हैं। हजार साल पुराने इस मंदिर में हर तरफ देव मूर्तियां दिख जाएंगी। इनमें से कई टूटी हुई हैं। अच्छी बात तो ये है कि ऐसी अवस्था में मंदिर होने के बाबजूद भी यहां लोग शिव के दर्शन करने के लिए आते हैं।

इस मंदिर को कछवाहा वंश के राजा कीर्ति राज ने 11वीं शताब्दी में बनवाया था। ऐसा माना जाता है कि रानी ककनावती महादेव की बड़ी भक्त थी, जिस वजह से इस मंदिर का नाम रानी के नाम पर रखा गया।

माना जाता है कि इस मंदिर का निर्माण एक रात में भूतों ने एक साथ मिलकर किया था, लेकिन मंदिर बनाते-बनाते सुबह हो गई और निर्माण को फिर बीच में ही छोड़ना पड़ गया। एक कथा यह भी है कि शिवआज्ञा थी कि मंदिर को बनते कोई न देखे। पर एक बालक ने अपने घर की खिड़की खोलकर इसे देख लिया था। तब भूत मंदिर को अधूरा छोड़कर ही विलुप्त हो गए थे। तभी से ये मंदिर अधूरी अवस्था में है।

इस मंदिर को भूतों का भी मंदिर कहते हैं। इस मंदिर को आप देखेंगे, तो आपको ये अधूरा ही लगेगा। खैर, इसमें कितनी सच्चाई है इससे जुड़े किसी भी तरह के सटीक प्रमाण नहीं हैं।

संपादकीय

मुफ्त की महंगी कीमत

कोर्ट ने कहा-राज्यों के दूरगामी हित देखें

यह भारतीय लोकतंत्र की विडंबना ही कही जाएगी कि राजनीतिक दलों ने मुफ्त की योजनाओं को चुनाव जीतने का जरिया ही बना लिया है। मतदाताओं को चंद आर्थिक लाभ व सुविधाएं देकर मुफ्त की रेवड़ियों को सफलता का शॉर्टकट माना जाने लगा है। यही वजह है कि कुछ राज्यों में आसन्न चुनाव से पहले मुफ्त की योजनाओं की संस्कृति के वर्चस्व को देखते हुए देश की शीर्ष अदालत ने तल्ख टिप्पणी की है। जिससे यह मुद्दा एक बार फिर राष्ट्रीय विमर्श में शामिल हो गया है। उल्लेखनीय है कि अगले दो-तीन महीनों में देश के चार प्रमुख राज्यों असम, पश्चिम बंगाल, केरल और तमिलनाडु में चुनाव होने जा रहे हैं। हालांकि, लोकतंत्र की कल्याणकारी अवधारणा के चलते लोकहित में चलायी जाने वाली जनहितकारी योजनाएं शासन का अनिवार्य स्तंभ भी रही हैं। लेकिन लक्षित समर्थन और चुनाव पूर्व दिखायी जाने वाली अतिरेक उदारता के बीच अंतर तेजी से धुंधला होता जा रहा है। देश की शीर्ष अदालत ने इस बाबत चेतावनी दी है कि मुफ्त की योजनाओं का अनियंत्रित विस्तार राज्यों के राजकोषीय अनुशासन को कमजोर कर सकता है। निस्संदेह, इस बारे में कोई दो राय नहीं हो सकती है कि राज्यों का यह प्राथमिक कर्तव्य है कि वे विशेष रूप से कमजोर वर्ग के लोगों की खास तौर से देखभाल करें। हालांकि, जब राजस्व घाटे वाले राज्य मुफ्त की योजनाओं पर बड़ी रकम खर्च करते हैं, तो सरकारी खजाने पर दबाव और अधिक बढ़ जाता है। विडंबना यह है कि जिस धनराशि का इस्तेमाल बुनियादी ढांचे में सुधार, स्वास्थ्य सेवाओं को सक्षम बनाने और शिक्षा की सुविधा को समृद्ध करने के लिये किया जाना चाहिए, वो राशि अल्पकालिक राजनीतिक लाभ के लिये खर्च कर दी जाती है। यह दुर्भाग्यपूर्ण ही है कि राजनेता मुफ्त की बिजली, मुफ्त बस यात्रा और नकद राशि बांटने की होड़ में शामिल हैं। इसमें कोई आश्चर्य नहीं है कि लोकलुभावनवाद के आगे राजकोषीय विवेक कमजोर पड़ रहा है। निस्संदेह, देश के सर्वोच्च न्यायालय ने इस बाबत तार्किक प्रश्न पूछा है कि राज्य मुफ्त की रेवड़ियां बांटने के बजाय रोजगार सृजन और कौशल विकास के लिये बजट प्रस्ताव क्यों नहीं पेश करते? इसमें दो राय नहीं कि रोजगार के नये अवसर पैदा करना जन साधारण के सशक्तीकरण का एक स्थायी रूप है। जो लोगों को स्वावलंबी बनाता है। वहीं दूसरी ओर वोटरों को लुभाने के लिये सत्तारूढ़ राजनीतिक दलों द्वारा लगातार जारी की जा रही मुफ्त की योजनाएं लोगों को अकर्मण्य बना देती हैं। लोग परिश्रम से आर्थिक उपलब्धि हासिल करने के बजाय सरकारी सुविधा पर अधिक निर्भर हो जाते हैं। जरूरत इस बात की है कि कौशल विकास के जरिये लोगों को इस तरह सक्षम बनाया जाए जिससे उन्हें दीर्घकालिक व स्थायी लाभ मिल सकें।

> “ अगले दो-तीन महीनों में देश के चार प्रमुख राज्यों असम, पश्चिम बंगाल, केरल और तमिलनाडु में चुनाव होने जा रहे हैं। हालांकि, लोकतंत्र की कल्याणकारी अवधारणा के चलते लोकहित में चलायी जाने वाली जनहितकारी योजनाएं शासन का अनिवार्य स्तंभ भी रही हैं। लेकिन लक्षित समर्थन और चुनाव पूर्व दिखायी जाने वाली अतिरेक उदारता के बीच अंतर तेजी से धुंधला होता जा रहा है।

निस्संदेह,चुनावी निष्पक्षता के लिये यह आवश्यक हो गया है कि चुनाव से पहले घोषित की गई या लागू की गई लोकलुभावनी नीतियों व योजनाओं की गहन पड़ताल की जाए। विपक्षी दलों द्वारा बिहार सरकार पर आरोप लगाया गया था कि पिछले साल अक्तूबर में आचार संहिता लागू रहने के दौरान मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना के तहत महिला लाभार्थियों को 15,600 करोड़ रुपये दिए गए थे। जो कि स्वस्थ लोकतांत्रिक प्रक्रिया के विरुद्ध कदम था। निर्विवाद रूप से सत्तारूढ़ राजनीतिक दलों द्वारा इस तरह की सुनियोजित कोशिश विपक्षी दलों को निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा से वंचित करती है। ऐसे में जरूरी हो जाता है कि भारत के निर्वाचन आयोग की ओर से राजनीतिक दलों द्वारा मतदाताओं को अपरोक्ष रूप से रिश्वत देने के प्रयासों पर पैनी नजर रखी जाए। साथ ही इस दिशा में चुनाव आचार संहिता के उल्लंघन के रूप में कार्रवाई भी करनी चाहिए। अब चाहे कोई बड़ा राजनीतिक दल इसमें शामिल क्यों न हो। निर्विवाद रूप से चुनाव प्रक्रिया में कोई भी पक्षपातपूर्ण रवैया अपनाना हमारे जीवंत लोकतंत्र के लिये हानिकारक है। वहीं दूसरी ओर स्वस्थ लोकतंत्र के लिये जरूरी है कि देश का मतदाता परिपक्व व जिम्मेदार नागरिक की तरह व्यवहार करके लोकतांत्रिक मूल्यों को सशक्त बनाने की दिशा में काम करे।

कल्पना नहीं, हकीकत है एआई की भारतीय दौड़

प्रमोद जोशी

भारत का 2023 में सातवें से तीसरे स्थान पर पहुंचना वैश्विक एआई दौड़ में तेज गति को रेखांकित करता है। सरकार का अनुमान है कि भारत में अगले दो वर्षों में 200 अरब डॉलर से ज्यादा का पूंजी निवेश एआई पर ही आएगा। अमेरिका और चीन के भारी पूंजी निवेश को देखते हुए यह प्रगति प्रशंसनीय है।

दिल्ली में गलगोटिया विवि के 'रोबोटिक डॉग' और 'ड्रोन सॉकर एरीना' के कारण हुई फज़ीहत के बाद कुछ लोग पूछ रहे हैं कि आर्टिफीशियल इंटेलिजेंस के क्षेत्र में भारत वास्तव में क्या कुछ कर भी पाएगा? हमारे पास उसके लिए पर्याप्त तकनीकी आधार और टेलेंट है भी या नहीं? बहरहाल, इस घटना ने सरकार समर्थित टेक्नोलॉजी प्लेटफॉर्मों पर स्वदेशी नवाचार की गलत व्याख्या की ओर देश का ध्यान आकर्षित किया है। सोशल-मीडिया के लिए ऐसी घटनाएं चटपटे मसाले की तरह होती हैं, कुछ समय तक याद रहती हैं और फिर बिसरा दी जाती हैं। बहरहाल, इस घटना ने हमें इसकी उपयोगिता और अपनी उपलब्धियों पर विचार करने की सलाह दी है।

इसके पहले जनवरी में दावोस सम्मेलन में अंतर्राष्ट्रीय मुद्राकोष की प्रबंध निदेशक क्रिस्टालिना जॉर्जिवा की इस टिप्पणी को लेकर भी विवाद हुआ था कि भारत 'सेकंड-टियर' एआई पॉवर है। राजनीति-शास्त्री आयन ब्रेमर ने भी इस बात का हवाला देते हुए कहा था कि नए उभरते देशों को अमेरिका या चीन के साथ तालमेल बिठाना चाहिए। इन दोनों बातों का तीखा जवाब देते हुए भारत के इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री, अश्विनी वैष्णव ने कहा, भारत एआई देशों की 'साफ पहली कतार' में है। उन्होंने एआई आर्किटेक्चर की पांच परतों के रूप में वर्णित भारत की प्रगति का विवरण दिया : एप्लिकेशन, मॉडल, चिप, बुनियादी ढांचे और ऊर्जा के सभी पांच स्तरों पर 'भारत अच्छी प्रगति' कर रहा है। उन्होंने स्टैनफर्ड विवि की एक रिपोर्ट का हवाला दिया, जिसमें भारत को एआई प्रवेश और तैयारियों में तीसरे स्थान पर और वैश्विक स्तर पर एआई प्रतिभा में दूसरे स्थान पर रखा गया है। बाद में आईएमएफ की अधिकारी ने इस विवाद को ठंडा करते हुए कहा कि संगठन भारत की एआई प्रगति के लिए भारी प्रशंसा करता है। उन्होंने इस गलतफहमी के लिए मॉडरेटर को दोषी ठहराया।

अंतरिक्ष-विज्ञान, कंप्यूटिंग-सॉफ्टवेयर, बायोटेक्नोलॉजी, सेमी कंडक्टर, एआई और डेटा साइंस जैसी तकनीकों को 'हाईटेक' माना जाता है। इनका इस्तेमाल चिकित्सा (ईएचआर सिस्टम), विनिर्माण (रोबोटिक्स) और अनुसंधान (लैब डायग्नोस्टिक) के अलावा रक्षा-तकनीक और अंतरिक्ष-विज्ञान जैसे क्षेत्रों में प्रमुखता से होता है। स्टैनफर्ड यूनिवर्सिटी की 2025 ग्लोबल एआई वाइब्रेंसी रैंकिंग में भारत को अमेरिका और चीन के बाद तीसरे स्थान पर रखा गया है, जो लंबी छलांग है। नवंबर में जारी रिपोर्ट के अनुसार भारत एक साल में ब्रिटेन, दक्षिण कोरिया, सिंगापुर और जापान को पीछे छोड़ते हुए, चार पायदान ऊपर चढ़ गया है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि नीति और शासन श्रेणी में भारत पांच पायदान फिसला भी है, जिस पर ध्यान देने की ज़रूरत है।

भारत का 2023 में सातवें से तीसरे स्थान पर पहुंचना वैश्विक एआई दौड़ में तेज गति को रेखांकित करता है। सरकार का अनुमान है कि भारत में अगले दो वर्षों में 200 अरब डॉलर से ज्यादा का पूंजी निवेश एआई पर ही आएगा। अमेरिका और चीन के भारी पूंजी निवेश को देखते हुए यह प्रगति प्रशंसनीय है। रिपोर्ट इस बात पर प्रकाश डालती है कि दुनिया भर की सरकारें एआई निवेश बढ़ा रही हैं : कनाडा ने 2.4 अरब डॉलर, चीन ने 47.5 अरब डॉलर का सेमीकंडक्टर फंड लॉन्च किया है, फ्रांस ने 109 अरब यूरो का वादा किया है, भारत ने 1.25 अरब डॉलर की घोषणा की है, और सऊदी अरब का प्रोजेक्ट ट्रांसेंडेंस 100 अरब डॉलर के व्यापक प्रयास का प्रतिनिधित्व करता है।

इन देशों के निवेश का कुछ हिस्सा भारत भी आएगा, क्योंकि भारत एआई के बड़े बाज़ार के रूप में विकसित हो रहा है। इसकी एक झलक दिल्ली में हुए एआई शिखर सम्मेलन में देखने को मिली, जिसमें 20 से अधिक राष्ट्राध्यक्ष, 60 मंत्री और 500 वैश्विक एआई लीडर शामिल हुए हैं। ग्लोबल साउथ में यह पहला वैश्विक एआई सम्मेलन है। इनमें फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों, स्पेन के प्रधानमंत्री पेड्रो सांचेज़ पेरेज़-कास्टेजोन और श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके के अलावा ओपनएआई के सीईओ सैम अल्टमैन, गूगल डीपमाइंड के सीईओ डेमिस हसाबिस और रिलायंस इंडस्ट्रीज के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक, मुकेश अंबानी और माइक्रोसॉफ्ट के अध्यक्ष ब्रैड स्मिथ जैसे बड़े औद्योगिक पदाधिकारी शामिल थे। इससे पहले ब्रिटेन, दक्षिण कोरिया औरफ्रांस में ऐसे सम्मेलन हो चुके हैं। बेशक भारत के पास अभी एआई की उन्नत विनिर्माण-सामर्थ्य नहीं है, क्योंकि उसके लिए आवश्यक चिप्स का उत्पादन हमारे यहां अभी नहीं हो रहा है, पर देश का सेमीकंडक्टर मिशन बहुत तेजी से गति पकड़ रहा है, जो चिप्स उपलब्ध कराएगा। टेक्नोलॉजी का निर्माण करने के लिए इंफ्रास्ट्रक्चर की जरूरत होगी, जो अपना समय लेगी। अलबत्ता उसका इस्तेमाल करने वालों और उससे जुड़े इंजीनियरों और डेटा सेंटरों की संख्या हमारी प्रगति को बता रही है। एआई शोधकर्ताओं की संख्या भी तेजी से बढ़ी है। इसकी प्रदर्शनी में उद्योग जगत के लीडरों, स्टार्टअप्स, शैक्षणिक संस्थानों, सरकारी प्रतिनिधियों और युवाओं की जैसी भीड़ आई, उससे अनुमान लगाया जा सकता है कि उत्सुकता का स्तर क्या है। इस बात को समझने की ज़रूरत है कि एआई केवल रोबोटिक्स या गेमिंग नहीं है। उसकी भूमिका चिकित्सकीय और वैज्ञानिक अनुसंधान में है, प्रशासनिक कार्यों में है, खेती-किसानी में है। भारत में 90 करोड़ से ज्यादा इंटरनेट उपयोगकर्ता हैं, जो प्रतिदिन औसतन सात घंटे ऑनलाइन बिताते हैं। एनवीडिया, ओपन एआई, एंथ्रॉपिक और गूगल जैसी कंपनियां भारत में पैर जमाने के लिए प्रतिस्पर्धा कर रही हैं। भारत सरकार प्रशासनिक और न्याय-व्यवस्थाओं को तेजी से प्रभावशाली बनाना चाहती है, जिसके लिए 'एआई-गवर्नेंस' के मॉडल सामने आ रहे हैं, वैसे ही जैसे देश ने 'डिजिटल-गवर्नेंस' को सफल बनाया।

भारत में एकसाथ कई भाषाओं में तत्काल अनुवाद करने वाले एआई मॉडल की ज़रूरत महसूस की जा रही थी। विदेशी मॉडलों के साथ भारतीय भाषाओं का मेल नहीं बैठ पाता है। टी-20 क्रिकेट विश्व कप के टीवी प्रसारण के दौरान चैटजीपीटी के विज्ञापन स्लॉट के पीछे की व्यावसायिक-योजना पर शायद आपने ध्यान नहीं दिया होगा। इंडिया एआई मिशन के तहत सरकार ने 38,000 जीपीयू को तैनात करने की योजना बनाई है, जो राष्ट्रीय स्तर पर साझा इंफ्रास्ट्रक्चर बनाएगी।

इस साल एआई मिशन 2.0 के तहत 20,000 अतिरिक्त जीपीयू जोड़े जा रहे हैं, जिससे कुल क्षमता 58,000 जीपीयू हो जाएगी। जीपीयू या ग्राफिक्स प्रोसेसिंग यूनिट शक्तिशाली कंप्यूटर चिप है जो मशीनों को तेज़ी से सोचने, छवियों को प्रोसेस करने, एआई प्रोग्राम चलाने, और जटिल कार्यों को सामान्य प्रोसेसर की तुलना में अधिक कुशलता से संभालने में मदद करता है। यह मिशन स्वास्थ्य, कृषि और सस्टेनेबल शहरों जैसे क्षेत्रों में एआई इनोवेशन को बढ़ावा दे रहा है।

भारत में एआई टैलेंट पूल 2027 तक 6 लाख से बढ़कर 12.5 लाख तक पहुंचने की उम्मीद है, लेकिन कंप्यूट पावर और फ्रंटियर मॉडल्स में अभी पीछे है। फिर भी, देश की विशाल जनसंख्या से उत्पन्न डेटा और युवा इंजीनियरिंग टैलेंट इस एआई रेस में हमें आगे रखेंगे।

लेखक वरिष्ठ संपादक रहे हैं।

करुणा के दीप दूर करेंगे हिंसा के अंधकार

डॉ.भूमिका शर्मा

बुद्ध अंगुलिमाल से मिले, तो उसकी हिंसा रुक गई। बिना हथियार उठाए, केवल शांति और अहिंसा के संदेश से। वह भिक्षु बनकर निर्वाण की ओर अग्रसर हुआ। करुणा व हृदय परिवर्तन की मिसाल है यह कहानी। आज जरूरत है कि केवल अंगुलिमाल जन्म न लें, बुद्ध भी जन्म लें।

अंगुलिमाल श्रावस्ती के जंगलों में राहगीरों को लूटकर उनकी उंगलियां काटता और माला बनाकर गले में पहनता था। बुद्ध मिले, तो उसकी हिंसा रुक गई। बिना हथियार उठाए, केवल शांति और अहिंसा के संदेश से। वह भिक्षु बनकर निर्वाण की ओर अग्रसर हुआ। करुणा और हृदय परिवर्तन की मिसाल है यह कहानी। वर्तमान में जब धरती पर हर दिन लगभग साढ़े तीन लाख मानव शिशु जन्म ले रहे हैं, तो मानवता पुकार करती है कि केवल अंगुलिमाल जन्म न लें, बुद्ध भी जन्म लें।

आज हम अंधे युग में जी रहे हैं, जहां मानवीय श्रद्धा भी विकलांग है और विश्वास भी। एनसीआरबी डेटा के अनुसार, 2025 में पारिवारिक अपराध 20 फीसदी बढ़ गए हैं और बुद्ध जैसा आध्यात्मिक हस्तक्षेप आज पारिवारिक-सामाजिक स्तर पर गुमशुदा सा हो गया है। एक बच्चा जिसकी आंखों में हर रिश्ते पर विश्वास है, मासूमियत है, ललक है दुनिया को जानने की, उसे ईर्ष्या का शिकार बनाया जाता है। पानीपत की साइको किलर, निठारी कांड सरीखी हज़ारों घटनाएं बताती हैं कि अपनों पर विश्वास का भाव भूलभुलैया में दम तोड़ रहा है। लेकिन जीवन रूपी सीढ़ियों पर अंधेरी साजिशें इतनी हैं कि रोशनी के चेहरे पर हरकत ही नहीं होती। युवाओं का जोश कहीं बेरोजगारी की त्रासदी शिथिल कर देती है तो कहीं व्यक्तिगत मनोभाव। पढ़ाई, परीक्षा, परिवार और प्रेम के बीच हिलोरे लेती जीवन की दशा और दिशा को रिझाने के लिए जब वह केवल और केवल पैसा कमाना ही समाधान पाता है तो अतिशीघ्र मालामाल होने के रास्ते खोजता है। वह उन रास्तों पर स्वयं को संलिप्त पाता है जहां अंगुलिमाल तैयार होते हैं। इस्राइल-गाज़ा का संघर्ष, रूस-यूक्रेन युद्ध, सूडान सिविल वॉर, इथियोपिया में जानलेवा झड़पें, अलकायदा, आईएसआईएस आदि संगठनों की क्रूरता से उपजी मानवीय आपदाएं, दुनिया की सबसे बड़ी प्राकृतिक आपदाओं से अधिक विध्वंसक हैं।

अस्तित्व की लड़ाई है या अहम की, यह समझने का समय, जब किसी भी पक्ष के पास न हो तो परिस्थितियों से निर्मित विषमताओं का हिमालय बनता है। मानवता रक्तरंजित नदियों की साक्षी बनती है। सतयुग, द्वापर या त्रेतायुग में, युद्ध, अस्तित्व की लड़ाई के लिए होते थे, धर्म-अधर्म, अच्छाई-बुराई या पाप-पुण्य के पृथक्करण और कुरीतियों को मिटाने के लिए होते थे। शायद इसीलिए अंगुलिमाल और बुद्ध की मुलाकात संभव थी किंतु किंतु आज युद्ध शक्ति का प्रतीक बन चुके हैं, कलुषित सोच से उपजी रणनीतियों के हैं जो निरंतर गीली लकड़ियों की तरह सुलगते रहते हैं और धुआं बनकर केवल एक क्षेत्र विशेष को नहीं बल्कि वैश्विक स्तर पर युद्धों की पृष्ठभूमि तैयार करते हैं।

अंतर्राष्ट्रीय मुद्दों में गांधी या बुद्ध जैसे नेता हर मुहाने पर चाहिए अन्यथा अंतर्राष्ट्रीय नियामक संस्थाएं व संधियों के प्रयास भी नरसंहार को रोक नहीं पाएंगे। आज ओरिजिनल ह्यूमन इंटेलिजेंस से आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के मॉडल प्रशिक्षित होकर जिस प्रकार प्रतिस्थापित हो रहे हैं, ऐसा न हो कि पृथ्वी पर चौरासी लाख योनियों में एक योनि आर्टिफिशियल ह्यूमन की जुड़ जाए व मानव हाशिये पर आ जाए।

आज के युग में अंगुलिमाल यूं ही नहीं जन्म लेते, कमज़ोर मन:स्थिति, दुर्बल परवरिश, उलझे हुए इतिहास, जातीय बंटवारे, कमज़ोर या नाकाम सरकारें, विदेशी दखल और दम तोड़ती शांति प्रक्रियाओं के परिणामस्वरूप जन्म लेते हैं। ब्रह्मांड में सूर्य विघटन से प्रकाश पैदा करता है तो पृथ्वी पर दिन होता है। रात हुई तो मानव ने ऊर्जा खोजी व रात्रि में करोड़ों घर रोशन हुए किंतु हिरोशिमा-नागासाकी, गाज़ा आदि में उसी सूत्र से करोड़ों रोशनियां बुझ गईं।

दुनिया को बुद्ध तो मिले किंतु युद्ध निरंतर होते रहे। आज साहस और दुस्साहस के बीच का महीन अंतर जो समझ जाएगा, वही युद्ध से बच पाएगा। अंगुलिमाल सिद्ध करता है कि कोई भी अपराधी परिवर्तनीय है, यदि सच्चा बुद्ध-तुल्य मार्गदर्शक मिले। आज जब विश्व के अनेक कोनों में बारूद की गंध मानवता की सांसों पर भारी पड़ रही है—तो ऐसे समय में प्रश्न केवल राजनीतिक नहीं, आध्यात्मिक भी है। 'सहस्त्र अंगुलिमाल, अब इतने बुद्ध कहां से लाऊं' यह पुकार समूची मानवता की है। इतिहास साक्षी है कि जब हिंसा अपनी पराकाष्ठा पर पहुंची, तब करुणा का एक स्वर भी दिशा बदल सकता था। गौतम बुद्ध ने अंगुलिमाल के भीतर छिपे मनुष्य को जगाया था; उन्होंने शस्त्र नहीं उठाया, दृष्टि बदली। आज आवश्यकता है कि विश्व-नेतृत्व 'विजय' की भाषा छोड़ 'विवेक' की भाषा सीखे।

खाद्य सुरक्षा के लिए जरूरी मौसम अनुकूल खेती

पंकज चतुर्वेदी

जलवायु बदलाव के चलते फरवरी में तापमान सामान्य से ज्यादा हो रहा है। इसका प्रभाव गेहूं आदि रबी फसलों व आम की पैदावार पर है। यानी खाद्य सुरक्षा संकट में है। इसका समाधान 'क्लाइमेट स्मार्ट कृषि' में निहित है। यानी इसमें मल्चिंग, माइक्रो सिंचाई व 'हीट टॉलरेंट' किस्में मददगार होंगी।

फरवरी का महीना आमतौर पर गुलाबी ठंड और वसंत की मंद बयार का प्रतीक माना जाता रहा है। यह वह समय होता है जब रबी की फसलें और आम के बगीचे अपने यौवन पर होते हैं। लेकिन साल 2026 की यह फरवरी डराने वाली है। फरवरी के मध्य में ही देश के एक बड़े हिस्से में पारा 30 से 32 डिग्री सेल्सियस के पार जा चुका है, जो सामान्य से करीब 5 से 7 डिग्री अधिक है। यह केवल एक मौसमी उतार-चढ़ाव नहीं है, बल्कि 'ग्लोबल वार्मिंग' का वह क्रूर चेहरा है जो सीधे हमारी थाली और देश की ग्रामीण अर्थव्यवस्था पर प्रहार कर रहा है।

जलवायु परिवर्तन का सबसे घातक प्रहार हमारी खाद्य सुरक्षा और 'फलों के राजा' आम पर हो रहा है। रबी की मुख्य फसल गेहूं के लिए फरवरी का दूसरा पखवाड़ा 'ग्रैन फिलिंग' यानी बालियों में दाना भरने की अवस्था का होता है। इस नाजुक दौर में अचानक बढ़ी गर्मी 'थर्मल स्ट्रेस' पैदा कर रही है। जब तापमान 30 डिग्री के ऊपर बना रहता है, तो पौधों के भीतर चयापचय की प्रक्रिया असामान्य रूप से तेज हो जाती है और दाना पूरी तरह विकसित होने से पहले ही सख्त होने लगता है। इसे वैज्ञानिक भाषा में 'फोर्स्ड मेच्योरिटी' कहा जाता है। परिणामस्वरूप, दाना छोटा, हल्का और झुर्रियों वाला रह जाता है। कृषि वैज्ञानिकों का अनुमान है कि यदि तापमान में इसी तरह की वृद्धि जारी रही, तो गेहूं की पैदावार में प्रति हेक्टेयर 15 से 20 प्रतिशत तक की गिरावट आ सकती है। सागर और औरैया के खेतों से आ रही रिपोर्टें बताती हैं कि गेहूं की बालियां समय से पहले सफेद पड़ रही हैं, जो सीधे तौर पर किसान की साल भर की मेहनत पर पानी फेरने जैसा है।

विशेषज्ञ बताते हैं कि आम का पुष्पन जाड़े के अंत और वसंत की शुरुआत में स्थिर तापमान और मध्यम आर्द्रता में होता रहा है। किंतु तापमान की वर्तमान अनिश्चितता ने इस प्रक्रिया को 'रोलर-कोस्टर' बना दिया है। इसके विपरीत, यदि अचानक तापमान गिरता है, तो फूलों का खुलना असमान हो जाता है। सुबह की अत्यधिक नमी फफूंदजनित रोगों का जोखिम बढ़ा रही है, जबकि दोपहर की शुष्क हवा पराग के अंकुरण को बाधित कर रही है। नतीजा यह है कि या तो फूल गिर रहे हैं, या निषेचन के बाद भी फल टिक नहीं पा रहे हैं।

आमतौर पर सर्दियों में होने वाली 'मावट' या बारिश फसलों के लिए अमृत समान होती थी, लेकिन इस साल शुष्कता और बढ़ती गर्मी ने मिट्टी की नमी को सोख लिया है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग के रिकॉर्ड बताते हैं कि पिछले एक दशक में फरवरी के महीने में लू जैसी स्थितियों की आवृत्ति बढ़ी है। इस पैटर्न में भारत के मौसम चक्र से 'वसंत' ऋतु धीरे-धीरे गायब हो रही है। इसका असर केवल गेहूं और आम पर ही नहीं, बल्कि सरसों और दलहन पर भी पड़ रहा है। सरसों की फलियों में तेल की मात्रा कम होने की आशंका है और चने के पौधों में फूल समय से पहले ही झड़ रहे हैं।

इस विकट परिस्थिति का निदान अब केवल पारंपरिक खेती के ढर्रे पर चलकर संभव नहीं है। हमें 'क्लाइमेट स्मार्ट एग्रीकल्चर' यानी जलवायु-अनुकूल कृषि की ओर युद्धस्तर पर बढ़ना होगा। मिट्टी की नमी बचाने के लिए गन्ने की सूखी पत्तियों, भूसे या सूखी घास से 'मल्चिंग' करना अब अनिवार्यता है। यह तकनीक सतह के तापमान को स्थिर रखती है और पानी के वाष्पीकरण को रोकती है। इसके साथ ही, सूक्ष्म-सिंचाई (ड्रिप/स्प्रिंकलर) को अपनाकर 'कम पानी—ज्यादा असर' के सिद्धांत पर काम करना होगा। बागों की मेढ़ों पर कटहल, बांस या नीम जैसे वायुरोधी अवरोध लगाने चाहिए ताकि तेज पछिया हवाओं से फूलों और फलों का बचाव हो सके। वैज्ञानिकों के अनुसार, पुष्पन के दौरान बोरॉन और जिंक जैसे सूक्ष्म-पोषक तत्वों का संतुलित छिड़काव फूलों की जीवन-क्षमता को बढ़ा सकता है। साथ ही, कीटों और रोगों के प्रबंधन के लिए मौसम-पूर्वानुमान आधारित छिड़काव ही कारगर होगा। ब्लॉक-स्तरीय मौसम परामर्श और सटीक पूर्वानुमान आज किसानों के लिए सबसे बड़े 'निर्णय-सहायक उपकरण' हैं। जलवायु परिवर्तन के इस दौर में किस्मों का विवेकपूर्ण चयन भी महत्वपूर्ण है। आम्रपाली, मल्लिका और गेहूं की 'हीट टॉलरेंट' किस्में जैसे डीबीडब्ल्यू 187 बदलती परिस्थितियों में बेहतर अनुकूलन दिखा रही हैं। यदि देश के कुल अनाज उत्पादन में बड़ी गिरावट आती है, तो इसका असर केवल किसान की आय पर ही नहीं, बल्कि देश की जीडीपी और आम आदमी की रसोई पर पड़ेगा। समझना होगा कि धरती का बढ़ता तापमान हमारे विकास के मॉडल पर प्रकृति का प्रतिघात है। मिट्टी की नमी को बचाना और बदलती जलवायु के अनुसार खुद को ढालना अब हमारी पसंद नहीं, बल्कि अस्तित्व की मजबूरी है।

नीति-निर्माताओं, कृषि वैज्ञानिकों और स्वयं किसानों को एक मंच पर आकर इस चुनौती का सामना करना होगा। विज्ञान-आधारित प्रबंधन और समयबद्ध निर्णयों के साथ हम इस नई सच्चाई के साथ तालमेल बिठा सकते हैं।

कबीर के तीनों हाथों में तीन लड्डू

मृदुल कश्यप

वास्तव में चलती चाकी का भेद वे 'एआई टूल' से समझे। समझते ही उनके ज्ञान चक्षु खटाक से खुल गए। और वह इनका महत्व भलीभांति समझ गए। वे समझ गए कि यह पाट और कुछ नहीं बल्कि पक्ष व विपक्ष के हैं।

पहुंचा हुआ ज्ञानी वह होता है जो ज्ञानवान होने के साथ-साथ कालखंड के हिसाब से अपने विचार में आवश्यकतानुसार परिवर्तन लाए। कबीर जी के साथ भी ऐसा ही है। समय के साथ-साथ उनकी सोच में परिवर्तन आया। पहले उन्हें जाने क्या होता था कि वह चलती चक्की के दो पाट देखकर रो देते थे। कबीर दास जी के नश्वर संसार से देह त्यागने के बाद उनके चेले-चपाटी उनके इस रोने के दर्शन की गहराई में उतरे और उतरते ही चले गए। जब वह डूबने लगे तो बड़ी मुश्किल से जान बचाकर बाहर आए। बाहर खड़े अनुयायियों ने जब पूछा तो इज्जत बचाने के लिए बोले कि वह चक्की के दो पाट का दर्शन अच्छे से समझ गए हैं।

वास्तव में चलती चाकी का भेद वे 'एआई टूल' से समझे। समझते ही उनके ज्ञान चक्षु खटाक से खुल गए। और वह इनका महत्व भलीभांति समझ गए। वे समझ गए कि यह पाट और कुछ नहीं बल्कि पक्ष व विपक्ष के हैं। इसलिए अब वह चलती चाकी देखकर रोते नहीं, आंसू नहीं टपकाते बल्कि फुलझड़ी जैसे हंस रहे होते हैं। कबीर दास जी के साथ पहले भी समस्या यह थी कि वह किस संप्रदाय के पक्ष में हैं, किस धर्म का समर्थन करते हैं। यह स्पष्ट नहीं हो पाता था। समय बदल गया परंतु यह बात अभी भी नहीं बदली। अभी भी लोगों के मन में जिज्ञासा है कि कबीर जी किस पार्टी के साथ हैं।

आज कबीर होते तो लोग कहते हैं आप पार्टी 'अ' के हैं। उनसे आपकी विचारधारा मेल खाती है। उनके लिए काम कर रहे हैं, जबकि कुछ लोग मानते हैं कि आप 'ब' पार्टी के लिए काम कर रहे हैं। उनके एजेंट के रूप में काम करते हैं। ज्ञानी लोगों की एक खूबी यह भी होती है कि वह कम बोलते हैं और मुस्कुराते ज्यादा हैं। मेरी अज्ञानता देखकर वह मंद-मंद मुस्कुराते।

हो सकता पत्रकार पूछते, 'अब तो आपने स्वयं की तीसरी पार्टी बना ली है।' कुछ लोग कह रहे हैं आप बीच के हैं। न इधर के न उधर के। कुछ लोग आपको लोटे की संज्ञा भी दे रहे हैं। यह सुनकर कबीर जी जोर-जोर से हंसने लगते। अर्थ पूछने पर दया कर वह 'ऑफ द कैमरा' बस इतना-सा बोलते- मेरे तो तीनों हाथों में लड्डू हैं। कहकर फिर से मौन धारण कर लेते। हम जैसे उनकी गूढ़ बात की सतह पर ही तैर रहे होते। गहराई में उतरने में खुद को असहाय महसूस करते।

ITR फाइल 500/-
Whatsapp पर बनवाऐं
Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट
CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
सम्पर्क - शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544
www.onlytds.com

श्रीकंचनपथ
छत्तीसगढ़

प्रिंट और डीजिटल मीडिया में
सभी प्रकार के विज्ञापन
के लिए
संपर्क करे
Mob.-:
9303289950
7987166110

प्रमुख खबरें

महिला उद्यमियों हेतु मार्केट डेवलपमेंट असिस्टेंस कार्यशाला का आयोजन

भिलाई। जिले में महिला उद्यमियों को बाजार से जोड़ने, उनके उत्पादों की बिक्री एवं ब्रांडिंग को सुदृढ़ करने तथा राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर बाजार विस्तार के अवसर प्रदान करने के उद्देश्य से नगर पालिक निगम भिलाई के एमआईसी कक्ष में दिनांक 18 .02.2026 को 36 महिला उद्यमियों हेतु मार्केट डेवलपमेंट असिस्टेंस कार्यशाला का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। इस कार्यशाला का उद्देश्य महिला उद्यमियों, स्वयं सहायता समूह के सदस्यों एवं महिला संचालित MSMEs को बाजार विकास सहायता योजनाओं, प्रदर्शिनी/मेले में भागीदारी, ब्रांडिंग, पैकेजिंग सुधार एवं डिजिटल मार्केटिंग के माध्यम से व्यवसाय विस्तार हेतु सक्षम बनाना है। महिला उद्यमिता न केवल आर्थिक सशक्तिकरण का माध्यम है, बल्कि यह सामाजिक परिवर्तन एवं स्थानीय अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। मार्केट डेवलपमेंट असिस्टेंस जैसे हस्तक्षेप महिला उद्यमियों को बड़े बाजारों तक पहुंच बनाने में सहायता प्रदान करते हैं। कार्यशाला के दौरान महिला उद्यमियों हेतु उपलब्ध मार्केट डेवलपमेंट असिस्टेंस योजनाएँ, राज्य एवं राष्ट्रीय स्तरीय प्रदर्शिनी/मेले में भागीदारी की प्रक्रिया, उत्पाद ब्रांडिंग, पैकेजिंग एवं लेबलिंग सुधार, गुणवत्ता प्रमाणन एवं मानकीकरण का महत्व, क्व2क्व एवं क्व2ष्ट मार्केट लिंकज के अवसर, ई-कॉमर्स एवं डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से बिक्री विस्तार, सरकारी सहायता एवं अनुदान प्राप्त करने की प्रक्रिया सम्मिलित है।

सड़क बाधा करने वालो पर लगा 9200 रूपये का अर्थदण्ड

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई क्षेत्रांतर्गत सड़क बाधा कर व्यापार करने वालो पर निगम एवं पुलिस प्रशासन की संयुक्त टीम द्वारा चालानी कार्यवाही की गई। सड़क बाधा करने से आम नागरिको को आवागमन में बहुत परेशानी होती है । निगम आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय के निर्देशानुसार सड़को से अवैध संचालित दुकानों को हटाया गया है। जोन-1 वार्ड क्रमांक-10 लक्ष्मी नगर एवं वार्ड क्रमांक-17 नेहरू नगर भवन के पास प्रतिष्ठान में प्रतिबंधित सिंगलयूज प्लास्टिक तथा सड़क बाधा पाये जाने पर चालानी कार्यवाही किया गया है। अशोक फल ठेला, कृष्णा फल ठेला, राजेंदर चैहान गन्ना जूस सेंटर, अंजली चैहान गन्ना जूस, भारत प्लास्टिक, अजय प्लास्टिक, राजेश साव से कुल 2300 रूपये का जुर्माना लगाते हुए भविष्य में इस तरह का समझाइस दिया गया है। इसी प्रकार जोन-3 अंतर्गत, सड़क बाधा कर व्यापार करने वाले 14 वेंडरों से कुल 6 900 रूपये की चालानी कार्यवाही की गई है। मौके पर सभी दुकानों को हटवाया गया है, जिससे आवागमन सुगम हो और नागरिको को किसी प्रकार की परेशानी न हो। कार्यवाही के दौरान सहायक राजस्व अधिकारी बसंत देवांगन, स्वच्छता निरीक्षक कमलेश द्विवेदी, बेदखली सहायक हरिओम गुप्ता सहित बेदखली दल उपस्थित रहा।

छत्रपति शिवाजी जयंती पर 44 यूनिट रक्तदान, युवाओं ने दिखाई मानवता की मिसाल

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। 19 फरवरी 2026 छत्रपति शिवाजी महाराज की जयंती के अवसर पर शासकीय नवीन महाविद्यालय, बोरी, जिला दुर्ग (छत्तीसगढ़) में गुरुवार को एक प्रेरणादायक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर यूथ रेडक्रॉस, बोरी के तत्वावधान में आयोजित हुआ, जिसमें महाविद्यालय परिवार एवं छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

रक्तदान शिविर में महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. कमर तलत के मार्गदर्शन में प्राध्यापकगण, कर्मचारी, छात्र एवं छात्राओं द्वारा कुल 44 यूनिट रक्तदान किया गया। युवाओं की इस सहभागिता ने समाज के प्रति उनके दायित्व और संवेदनशीलता को दर्शाया।

इस अवसर पर जिला चिकित्सालय दुर्ग के ब्लड बैंक की टीम उपस्थित रही, जिसमें नोडल अधिकारी डॉ. जे. पी. मेश्राम, रक्तकोष अधिकारी डॉ. मिथलेश पारकर, डॉ. अवतास कश्यप, काउंसलर टी. एस. एंथोनी, नर्स तरुणा रावत, लैब टेक्नोलॉजिस्ट रोशन सिंह, सीनियर लैब टेक्नीशियन महेंद्र चंद्राकर सहित तीरथ यादव, अंशु नेताम, हिमांशु चंद्राकर एवं देव कुमार सिन्हा ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

कार्यक्रम के अंत में अतिथियों एवं चिकित्सकीय टीम द्वारा सभी रक्तदाताओं को साधुवाद देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई। रक्तदान शिविर को सफल बनाने में यूथ रेडक्रॉस के सदस्यों एवं महाविद्यालय प्रशासन का विशेष योगदान रहा।

दुर्ग के विकास को नई रफ्तार: गजेंद्र यादव की बड़ी बैठक, 22 करोड़ से होंगे ऐतिहासिक कार्य

महापौर अल्का बाघमार का संकल्प- दुर्ग के विकास में नहीं रहेगी कोई कमी

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। शहर के समग्र एवं योजनाबद्ध विकास को लेकर सर्किट हाउस दुर्ग में कैबिनेट मंत्री गजेंद्र यादव ने महापौर अलका बाघमार की मौजूदगी में आज नगर निगम के सभी पार्षदों की महत्वपूर्ण बैठक लेकर अधिकारियो को दो दिनों के अंदर सभी प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश दिए है बैठक में सभापति श्याम शर्मा,आयुक्त सुमित अग्रवाल सहित एमआईसी सदस्य पार्षदगण एवं प्रमुख अधिकारी मौजूद थे।

बैठक में शहर के 60 वार्डों में मूलभूत सुविधाओं के विस्तार एवं अधोसंरचना विकास को लेकर विस्तृत चर्चा की गई।मंत्री गजेंद्र यादव ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्रत्येक वार्ड में संबंधित पार्षदों से समन्वय स्थापित कर प्राथमिकता के आधार पर आवश्यक कार्यों का इस्टीमेट तैयार किया जाए। उन्होंने कहा कि सड़कों, नालियों, पेयजल, प्रकाश व्यवस्था सहित अन्य बुनियादी सुविधाओं से जुड़े प्रस्ताव शीघ्र तैयार कर प्रस्तुत किए जाएं, ताकि विकास कार्यों में तेजी लाई जा सके।बैठक में केबिनेट मंत्री गजेंद्र यादव ने जानकारी देते हुए बताया कि राज्य सरकार द्वारा अधोसंरचना मद में 22 करोड़ रुपये से अधिक की राशि उपलब्ध कराई जा रही है। इस राशि से सभी 60 वार्डों में आवश्यकतानुसार विकास कार्य कराए जाएंगे। विशेष रूप से प्रत्येक वार्ड में नाली निर्माण हेतु 10-10 लाख रुपये तक की मांग का प्रस्ताव तैयार करने और पार्षदों को मांग पत्र प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए, ताकि वार्ड स्तर की समस्याओं का शीघ्र समाधान हो सके।

शहर के प्रमुख तालाबों के सौंदर्यीकरण का भी निर्णय लिया गया। तालाबों के आसपास आवश्यकतानुसार गार्डन विकसित किए जाएंगे, जिससे नागरिकों को स्वच्छ एवं सुंदर सार्वजनिक स्थल उपलब्ध हो सकें। साथ ही मुक्तिधामों के जीर्णोद्धार का कार्य भी प्राथमिकता के आधार पर किया जाएगा।

पेयजल की सुचारू व्यवस्था के लिए पाइप लाइन विस्तार,नई पाइप लाइन बिछाने एवं अन्य आवश्यक मूलभूत कार्यों के संबंध में मंत्री ने पार्षदों एवं अधिकारियों से सुझाव मांगे। उन्होंने स्पष्ट कहा कि वार्डों की वास्तविक जरूरतों के अनुरूप प्रस्ताव तैयार कर समयबद्ध क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए।मंत्री गजेंद्र यादव ने कहा की वर्तमान दुर्ग शहर में विकास तीव्र गति से हो रहा है जिसमें शहर के कई व्यस्तम सड़को चौड़ीकरण खेल मैदान,सर्व सुविधा युक्त मांगलिक भवन,महाराजा चौक से पुल गांव तक फोर लेन सड़क जैसे कई उल्लेखनीय कार्य होने लेंगे है जो आने वाले दिनों में शहर के विकास के लिए मिल का पत्थर साबित होगा।

इस अवसर पर महापौर श्रीमती अल्का बाघमार ने राज्य शासन द्वारा अधिसंरचना मद से 16 करोड़ के स्वीकृति मिलने पर मंत्री गजेंद्र यादव जी को प्रस्तावित विकास कार्यों कि जानकारी देते हुए बताया कि शहर में आवश्यकता अनुसार मूलभूत कार्यों को सूचीबद्ध किए है और अब मंत्री गजेंद्र यादव जी के पहल से अतिरिक्त रूप से मिलने वाले 6 करोड़ की राशि मिलाकर अधोसंरचना मद से 22 करोड़ से भी अधिक की राशि हो जाएगी इससे शहर में बेहतर ढंग से विकास हो सकता है इसके लिए मंत्री जी की धन्यवाद करती हु महापौर अलका बाघमार ने कहा कि दुर्ग शहर के विकास में किसी भी प्रकार की कोई कमी नहीं होने दी जाएगी इसके लिए मूलभूत आवश्यकताओं को प्राथमिकता में रखकर कार्य किया जा रहा है।

उत्कृष्ट सेवा एवं समर्पण के लिए चिकित्सा कर्मी शिरोमणि' पुरस्कार से सम्मानित

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएँ विभाग के अंतर्गत कार्यरत जवाहरलाल नेहरू चिकित्सालय एवं अनुसंधान केंद्र, सेक्टर-9 में 16 फरवरी 2026 को मुख्य चिकित्सा अधिकारी (चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं) डॉ. उदय कुमार की अध्यक्षता में 'कर्म शिरोमणि' पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य चिकित्सा विभाग में कार्यरत कर्मियों के उत्कृष्ट कार्य, कर्तव्यनिष्ठा, रोगी-सेवा के प्रति समर्पण तथा संस्थान की गुणवत्ता उन्नयन में उनके उल्लेखनीय योगदान को सम्मानित करना था।

इस अवसर पर शोभा सिंह, ए.एन.एस.; लुकेन्द्र कुमार तारम, वरिष्ठ एम.टी.ए.; तथा आदित्यन एम., कनिष्ठ स्टाफ नर्स (नर्सिंग प्रशासन) को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन, अनुकरणीय कार्यसंस्कृति एवं रोगी-हितैषी दृष्टिकोण के लिए 'कर्म शिरोमणि' पुरस्कार से सम्मानित किया गया। मुख्य चिकित्सा अधिकारी (चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं) डॉ. उदय कुमार ने पुरस्कृत कर्मियों को बधाई दी। उन्होंने आगे भी उत्कृष्ट सेवा परंपरा को निरंतर आगे बढ़ाने, रोगी-केंद्रित सेवाओं, समयबद्ध उपचार, संवेदनशील व्यवहार एवं टीम भावना के साथ कार्य करने का आह्वान किया। समारोह में उपस्थित अन्य वरिष्ठ चिकित्सकों ने भी सभी पुरस्कृत कर्मियों को बधाई दी।

कार्यक्रम में उप प्रबंधक (नर्सिंग प्रशासन) शैला अब्राहम, सहायक प्रबंधक (मानव संसाधन-चिकित्सा) शिबा थॉमस तथा मानव संसाधन विभाग एवं चिकित्सा विभाग के अन्य कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

रिसाली महापौर ने वार्डवासियों से लिया फीडबैक

श्रीकंचनपथ समाचार

रिसाली। महापौर शशि सिन्हा विकास कार्य और व्यवस्थाओं का फीडबैक लेने वार्डो तक पहुंच रही है। वे अल सुबह वार्ड 15 मौहारी मरोदा पहुंची। रिसाली महापौर नागरिकों से बातचीत करते नाली पर हुए अतिक्रमण को हटाने निर्देश दिए।

मौहारी मरोदा क्षेत्र का भ्रमण करते महापौर और एमआईसी सद्स्यों ने साफ सफाई समेत व्यवस्थाओं पर नागरिकों से चर्चा की। उनका कहना था कि फीडबैक के आधार पर ही वे कार्य योजना तैयार कर विकास को गति देंगे। नागरिकों से मिले सुझाव को वे प्राथमिकता भी देंगे। इस दौरान उनकी नजर प्रजापति किराना स्टोर्स के पास नाली पर हुए अतिक्रमण पर टीकी। उन्होंने निगम के अधिकारियों को निर्देश दिए कि अतिक्रमण को तत्काल हटाया जाए। निरीक्षण के दौरान महापौर परिषद के सद्स्य अनिल देशमुख, संजू नेताम समेत प्रभारी स्वास्थ्य अधिकारी अमित चंद्राकर, राजस्व विभाग के प्रभारी अधिकारी योगेश सुरे, जलकार्य विभाग के गोपाल सिन्हा आदि मौजूद थे।

निरीक्षण के दौरान महापौर शशि सिन्हा सफाई व्यवस्था को भी देखी। उन्होंने प्रभारी स्वास्थ्य अधिकारी को निर्देश दिए कि जाम नाली की सफाई सबसे पहले कराएं। इस बात का विशेष ध्यान रखा जाए कि कहीं गंदा पानी का जमावड़ा तो नहीं हो रहा है।

इस दौरान नागरिकों ने कुछ खंभों में लाइट नहीं जलने की शिकायत की। नागरिकों का कहना था कि गली में अंधेरा रहता है। महापौर ने नागरिकों को खंभे पर लाइट लगवाए जाने का आश्वासन दिया। इस दौरान उन्होंने रास्ते के बीच लगे बिजली खंभा को हटाकर अन्य स्थान पर शिफ्ट कराने के निर्देश भी दिए।

गौरव पथ पदमनाभपुर रोड स्थित रिक्त गुमटियों के आवंटन हेतु आवेदन प्रक्रिया पूर्ण

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। नगर निगम सीमा क्षेत्र अंतर्गत गौरव पथ, पदमनाभपुर रोड, एल.आई.सी. ऑफिस के सामने स्थित रिक्त गुमटियों के आवंटन के लिए दिनांक 16 जनवरी 2026 से 02 फरवरी 2026 तक आवेदन आमंत्रित किए गए थे। निर्धारित समयावधि में प्राप्त आवेदनों का विधिवत पंजीयन कर पात्रता परीक्षण की प्रक्रिया पूर्ण कर ली गई है। निगम प्रशासन द्वारा यह सुनिश्चित किया गया है कि आवंटन प्रक्रिया पूर्णत: पारदर्शी एवं नियमानुसार हो, जिससे पात्र आवेदकों को निष्पक्ष अवसर प्राप्त हो सके। प्राप्त आवेदनों के परीक्षण के पश्चात पात्र एवं अपात्र आवेदकों की सूची तैयार कर नगर निगम कार्यालय के सूचना पटल पर चस्पा कर दी गई है। इच्छुक आवेदक कार्यालयीन दिवस एवं समय में उपस्थित होकर सूची का अवलोकन कर सकते हैं।

निगम प्रशासन ने आवेदकों से आग्रह किया है कि वे निर्धारित अवधि के भीतर सूची का अवलोकन कर किसी प्रकार की त्रुटि अथवा आपत्ति होने की स्थिति में समय रहते आवश्यक कार्रवाई करें। दावा-आपत्ति प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि 02 मार्च 2026 यदि किसी आवेदक को सूची के संबंध में किसी प्रकार की आपत्ति हो, तो वे दिनांक 19 फरवरी 2026 से 02 मार्च 2026 तक कार्यालयीन समय में लिखित रूप से अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं।

निर्धारित तिथि के पश्चात प्राप्त आपत्तियों पर विचार नहीं किया जाएगा। सभी आपत्तियों का परीक्षण नियमानुसार किया जाएगा एवं अंतिम सूची प्रकाशन उपरांत गुमटियों का आवंटन प्रक्रिया आगे बढ़ाई जाएगी। पारदर्शिता एवं सुव्यवस्थित व्यापारिक वातावरण की दिशा में पहल नगर निगम द्वारा यह प्रक्रिया शहर में सुव्यवस्थित व्यापारिक गतिविधियों को प्रोत्साहित करने एवं अतिक्रमण की समस्या को नियंत्रित करने के उद्देश्य से की जा रही है।

गैर संकार्य विभाग के कार्मिक कर्म शिरोमणि पुरस्कार से हुए सम्मानित

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। बीएसपी प्रबंधन द्वारा ऐसे कार्मिक जो कार्यस्थल पर नवीनता, संसाधनों के बेहतर उपयोग, संगठनात्मक उद्देश्यों को पूरा करने हेतु उच्चतम स्तर के सुरक्षा मानकों को बनाए रखते हुए तकनीकी/प्रक्रियात्मक अनुशासन के अनुपालन में असाधारण प्रतिभा का प्रदर्शन करते हैं को प्रेरित करने और पहचान देने के लिए प्रतिमाह ''कर्म शिरोमणि पुरस्कार'' प्रदान किया जाता है। इसी क्रम में गैर संकार्य विभाग के कार्मिकों को कर्म शिरोमणि पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

समारोह में गैर संकार्य क्षेत्र से शिखा दीक्षित, एडमिनिस्ट्रेटिव एसोसिएट (वित्त एवं लेखा), विजय कुमार माहूरकर, सेक्शन एसोसिएट (सामान्य प्रशासन), सिंदा सिंह, सेक्शन एसोसिएट (स्टोर्स), रिजवाना हुसैन, सेक्शन ऑफिसर (मानव संसाधन), आलोक ताम्रकार, इंजीनियरिंग एसोसिएट (नगर सेवायें), वाई व्ही एस एस शर्मा, सेक्शन एसोसिएट (सी.बी.डी), विनोद कुमार जैन, जूनियर इंजीनियर (नगर सेवायें), मनराखन सिंह वर्मा, जूनियर इंजीनियर (नगर सेवायें), सुश्री किरण साधू, सेक्शन ऑफिसर (मानव संसाधन) को कर्म शिरोमणि पुरस्कार प्रदान किया गया। पुरस्कार विजेताओं को सम्मान स्वरूप प्रबंधन द्वारा उत्कृष्टता प्रमाण-पत्र, स्मृति चिन्ह व कार्मिक की पत्नी/पति के लिए प्रशंसा पत्र और मिठाई का पैकेट प्रदान किया गया। इसके अतिरिक्त पुरस्कार विजेता की तस्वीर उनके विभाग के नोटिस बोर्ड पर प्रदर्शित भी की जाती है।

कार्यक्रम में मुख्य महाप्रबंधक (टी.ए. एण्ड सीएसआर) उत्पल दत्ता, महाप्रबंधक प्रभारी (एल.ए. एण्ड पी.आर.) अमूल्य प्रियदर्शी, महाप्रबंधक (सी.बी.डी.नगर सेवायें) नीरज वारनर, महाप्रबंधक (एच.आर.) एवं पी.आई.ओ. आर रंजनी, महाप्रबंधक (वित्त एवं लेखा) ए.के. पाण्डेय, महाप्रबंधक (एल.एण्ड ए.) राजीव कुमार, उप महाप्रबंधक (नगर सेवायें) डी सी सिंह, सहायक महाप्रबंधक (नगर सेवायें) व्ही के भोण्डेक एवं पूरण सिंह सिदार तथा उप प्रबंधक (स्टोर्स) एन अनंथरमा रमेश उपस्थित रहे। उन्होंने पुरस्कृत कार्मिकों के सहयोगात्मक कार्यप्रणाली और सुरक्षित कार्य संस्कृति की सराहना करते हुए उन्हें आगे भी ऐसे ही कार्य करते रहने और अपने सहयोगियों को प्रोत्साहित करने के लिए प्रेरित किया। सहायक महाप्रबंधक (मानव संसाधन-गैर संकार्य) जया रॉय द्वारा कार्यक्रम का संचालन किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में एडमिनिस्ट्रेटिव एसोसिएट देवेन्द्र कुमार सिन्हा एवं ऑफिस एसोसिएट शिखा ताम्रकार का महत्वपूर्ण सहयोग रहा।

कलेक्टर के निर्देश पर तत्काल कार्रवाई

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। नगर पालिक निगम दुर्ग अंतर्गत जे.आर.डी. स्कूल के समीप सड़क पर कम्पनी मारुति सुजुकी द्वारा अवैध रूप से टेंट लगाकर आवागमन बाधित किए जाने का मामला सामने आया। गुरूवार सुबह कार्यालय जाते समय कलेक्टर श्री अभिजीत सिंह की नजर इस अतिक्रमण पर पड़ी, जिस पर उन्होंने तत्काल नगर निगम आयुक्त को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए।

कलेक्टर के निर्देश के परिपालन में आयुक्त सुमित अग्रवाल के मार्गदर्शन में निगम की अतिक्रमण टीम मौके पर पहुँची और त्वरित कार्रवाई करते हुए सड़क किनारे लगाए गए टेंट, ढांचा एवं अन्य सामग्री को जब्त कर लिया। कार्रवाई के दौरान मार्ग को पूर्णत: अवरोध मुक्त कराया गया, जिससे आम नागरिकों को सुगम आवागमन की सुविधा पुन: उपलब्ध हो सकी। नगर निगम प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि शहर में किसी भी प्रकार का अवैध अतिक्रमण बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। सार्वजनिक सड़कों और मार्गों पर बाधा उत्पन्न करने वालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई निरंतर जारी रहेगी। निगम ने नागरिकों एवं व्यापारिक प्रतिष्ठानों से अपील की है कि वे नियमों का पालन करें तथा यातायात व्यवस्था में बाधा न उत्पन्न करें।

Since 1972
CROWN-TV
Choice Of Millions
Washing Machine / Cooler
Available All Size

CONTACT :
Atlas Radio Traders (Crown)
Sect.-3, D-48, Ward No. 22
Devendra Nagar, Raipur (C.G.) 492009
Near Akash Gas Agency Line

खास खबर

गरियाबंद में एफएसटीपी प्लांट का शुभारंभ

रायपुर। स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के अंतर्गत गरियाबंद जिले में निर्मित फीकल स्लज ट्रीटमेंट प्लांट (एफएसटीपी) का सफलतापूर्वक संचालन प्रारंभ कर दिया गया है। यह पहल जिले में स्वच्छता प्रबंधन को सुदृढ़ करने तथा पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि के रूप में देखी जा रही है। नगर पालिका परिषद के समन्वय से आज प्लांट में स्लज के वैज्ञानिक उपचार की प्रक्रिया प्रारंभ की गई। आधुनिक एवं वैज्ञानिक तकनीक पर आधारित इस प्लांट को इस प्रकार डिज़ाइन किया गया है कि टैंक में स्लज खाली होते ही उपचार की प्रक्रिया स्वत: प्रारंभ हो जाती है। इससे संपूर्ण प्रणाली सुव्यवस्थित, सुरक्षित एवं पर्यावरण के अनुकूल ढंग से संचालित होती है। एफएसटीपी प्लांट की प्रमुख विशेषता इसकी छह-स्तरीय फिल्टर प्रणाली है। स्लज से प्राप्त तरल पदार्थ छह विभिन्न चरणों से होकर क्रमबद्ध रूप से शोधन प्रक्रिया से गुजरता है। शुद्धिकरण के उपरांत यह जल अंतिम पॉड में संग्रहित किया जाता है, जिसका उपयोग बागवानी एवं पौधों की सिंचाई में किया जा सकेगा। वहीं उपचार प्रक्रिया के पश्चात टैंक में शेष ठोस अवशेष उच्च गुणवत्ता वाली प्राकृतिक जैविक खाद में परिवर्तित हो जाता है, जिसका उपयोग कृषि एवं उद्यानिकी गतिविधियों में किया जा सकता है। अधिकारियों ने बताया कि प्लांट के सक्रिय होने से क्षेत्र में खुले में गंदगी की समस्या में उल्लेखनीय कमी आएगी तथा जल स्रोतों को प्रदूषण से बचाने में सहायता मिलेगी।

लोकभवन में ई-लाइब्रेरी के उपयोग पर दिया गया प्रशिक्षण

रायपुर। लोकभवन में ई-लाइब्रेरी के उपयोग के संबंध में आज अधिकारियों एवं कर्मचारियों को प्रशिक्षण दिया गया। राज्यपाल के विधिक सलाहकार भीष्म प्रसाद पाण्डेय की विशेष उपस्थिति में लोकभवन के विभिन्न शाखाओं के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को इसके उपयोग की जानकारी दी गई। ई-लाइब्रेरी के अंतर्गत कानून संबंधी पुस्तकें, कमेंट्री, अधिनियम पढ़ने की सुविधाएँ प्रदान रहती है तथा यह मोबाइल, टैबलेट और डेस्कटॉप पर उपलब्ध है, जो ऑफ्लाइन पढने नोट्स बनाने, हाईलाईट करने, सर्च एवं प्रिंट करने जैसी सुविधाएँ प्रदान करता है।

बालको अस्पताल में नई फार्मेसी का शुभारंभ, क्षेत्रीय मरीजों को मिलेगी आसानी से दवा

कोरबा। बालको मेडिकल सेंटर द्वारा बालको अस्पताल परिसर में एक नई फार्मेसी (औषधि भंडार) की शुरुआत की गई है। इस फार्मेसी का उद्घाटन भारत एल्यूमिनियम कंपनी लिमिटेड (बालको) के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं निदेशक राजेश कुमार तथा बालको मेडिकल सेंटर की चिकित्सा निदेशक डॉ. भावना सिरोही द्वारा किया गया। इस अवसर पर अस्पताल के मुख्य चिकित्सक अधिकारी विवेक सिंहा एवं कंपनी के अधिकारी, कर्मचारी तथा गणमान्य अतिथि उपस्थित थे। इसका उद्देश्य कोरबा एवं आसपास के क्षेत्रों के मरीजों को एक ही स्थान पर आसानी से कम कीमत और उचित समय पर आवश्यक दवाइयाँ उपलब्ध कराना है। नई फार्मेसी के शुरू होने से अब मरीजों और उनके परिजनों को दवाइयों के लिए शहर के दूर-दराज इलाकों में भटकना नहीं पड़ेगा। यहाँ सामान्य से लेकर विशेष उपचार में उपयोग होने वाली आवश्यक दवाइयाँ उपलब्ध रहेंगी, जिन पर विशेष रियायत भी दी जाएगी, जिससे इलाज का खर्च कम होगा और मरीजों को समय पर दवा मिल सकेगी।

होली से पहले किसानों को 3100 रुपये प्रति क्विंटल की अंतर राशि का एकमुश्त भुगतान

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। राज्य सरकार द्वारा समर्थन मूल्य पर धान विक्रय करने वाले किसानों को 3100 रुपये प्रति क्विंटल की दर से अंतर राशि का भुगतान होली पर्व से पूर्व एकमुश्त किए जाने का महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया है। मंत्रिपरिषद की बैठक में लिए गए इस निर्णय से प्रदेश भर के किसानों में उत्साह और हर्ष व्याप्त है।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के इस किसान हितैषी निर्णय का स्वागत करते हुए सरगुजा

जिले के लखनपुर विकासखंड के ग्राम कोसंगा के किसान पहरूराम ने हर्ष व्यक्त किया। उन्होंने बताया कि इस वर्ष उन्होंने लगभग 72 क्विंटल धान समर्थन मूल्य पर बेचा है, जिसकी राशि उन्हें प्राप्त हो चुकी है।

अब अंतर की राशि होली से पहले मिलने की घोषणा से वे अत्यंत खुश हैं। उन्होंने कहा कि होली के बाद विवाह-शादी का सीजन प्रारंभ हो जाएगा, ऐसे में यह राशि पारिवारिक आवश्यकताओं और सामाजिक दायित्वों के कार्य में सहायक होगी। श्री पहरूराम ने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह निर्णय किसानों के हित में अत्यंत सराहनीय है और इससे किसानों में उत्साह का माहौल है।

खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 के अंतर्गत, प्रदेश भर में किसानों को इस निर्णय का सीधा लाभ मिलेगा। सरगुजा जिले में 52,553 किसानों ने समर्थन मूल्य पर धान विक्रय किया है, उन्हें अब अंतर की राशि उनके बैंक खातों में एकमुश्त प्राप्त होने से किसानों के चेहरे पर खुशी एवं रौनक आयेगी।

ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मिलेगी मजबूती

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के किसान हितैषी निर्णय से अन्नदाताओं को उनके पसीने की पूरी कीमत मिलेगी और उनके जीवन स्तर में सुधार होगा। होली से पहले अंतर राशि का भुगतान होने से न केवल किसानों की आर्थिक स्थिति मजबूत होगी, साथ ही स्थानीय बाजारों में रौनक बढ़ेगी।

यातायात नियमों के प्रति आमजनों को करें जागरूकः मंत्री रामविचार नेताम

पीएम जनमन की सड़कों का मापदंडों के अनुरूप हो निर्माणः सांसद चिंतामणि महाराज

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। बलरामपुर जिले के जनपद पंचायत राजपुर के सभाकक्ष में जिला खनिज संस्थान न्यास की शासी परिषद, सांसद सड़क सुरक्षा समिति एवं जिला पशु रोगी कल्याण समिति की बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में आदिम जाति विकास मंत्री रामविचार नेताम वर्चुअल रूप से जुड़े।

इस दौरान सरगुजा सांसद चिंतामणि महाराज, सामरी विधायक उद्देश्वरी पैंकरा, प्रतापपुर विधायक शकुंतला पोर्ते, जिला पंचायत अध्यक्ष हीरामुनी निकुंज, कलेक्टर राजेंद्र कटारा, पुलिस अधीक्षक वैभव बैंकर, वनमंडलाधिकारी आलोक वाजपेयी, जिला पंचायत सीईओ नयनतारा सिंह तोमर, अपर कलेक्टर आर.एन. पाण्डेय, जनपद एवं नगरीय निकायों के अध्यक्ष व उपाध्यक्ष सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

मंत्री नेताम ने सांसद सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में कहा कि शराब पीकर और तेज गति से वाहन चलाने वालों पर सख्ती के साथ कार्रवाई करने के निर्देश दिए, जिससे सड़क दुर्घटनाओं पर नियंत्रण किया जा सके। उन्होंने कहा कि यातायात नियमों के संबंध में विस्तार से जानकारी देने के साथ-साथ लोगों को जागरूक करने की आवश्यकता है। उन्होंने हाट-बाजारों में भी प्रचार-प्रसार कर लोगों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करने सुझाव दिए। उन्होंने सड़क दुर्घटना से बचने के लिए अनिवार्य रूप से हेलमेट एवं चार पहिया वाहनों में सीट बेल्ट की उपयोगिता सुनिश्चित करने को कहा।

उन्होंने बैठक में पिछले वर्ष स्वीकृत कार्यों में से पूर्ण हो चुके कार्यों की भी जानकारी ली। जिला पंचायत सीईओ श्रीमती नयनतारा सिंह तोमर ने वित्तीय वर्ष 2024-25 के महत्वपूर्ण कार्यों एवं आगामी वित्तीय वर्ष 2025-26 की कार्ययोजना के अनुमोदन की जानकारी दी। उन्होंने डीएमएफमद के अंतर्गत प्राप्त राशि एवं व्यय, कार्यों की प्रगति और महत्वपूर्ण कार्यों की जानकारी प्रस्तुत की।

सांसद चिंतामणि महाराज ने कहा कि जिले में सड़क दुर्घटनाओं को कम करने के लिए एक प्रभावी कार्ययोजना बनाया जाए। उन्होंने सड़क सुरक्षा के संबंध में जनजागरूकता लाने और राष्ट्रीय राजमार्ग के निर्माण कार्यों में तेजी लाने को कहा। उन्होंने नाली निर्माण और पानी निकासी की उचित व्यवस्था के लिए भी आवश्यक निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि सभी वाहन चालक आवष्यक दस्तावेजों के साथ यातायात नियमों का पालन करते हुए वाहन चलाए यह सुनिश्चित किया जाए। सांसद ने पीएम जनमन योजना के अंतर्गत निर्माणाधीन सड़कों को निर्धारित मापदंडों के अनुरूप बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शासन की प्राथमिकता वाली योजनाओं के क्रियान्वयन में किसी प्रकार की शिथिलता ना बरती जाए। पुलिस अधीक्षक श्री वैभव बैंकर ने आगामी कार्ययोजना के बारे में अवगत कराते हुए जानकारी दी कि योजनाबद्ध तरीके से अंतर्राज्यीय चेक पोस्ट और दुर्घटना जन्य क्षेत्रों में सीसीटीवी के माध्यम से सतत निगरानी रखी जाएगी।

जिला पशु रोगी कल्याण समिति की बैठक में उप संचालक पशु चिकित्सा सेवाएं ने अब तक हुए कार्यों एवं प्रस्तावित कार्यों की विस्तृत जानकारी दी। इस दौरान पंजीयन शुल्क के निर्धारण, आवश्यक संसाधनों के क्रय और विभागीय कार्यों के लिए तकनीकी मशीनों की खरीदी के संबंध में चर्चा कर इनके अनुमोदन हेतु प्रस्ताव रखे गए।

श्रमिक प्रदेश के विकास और अर्थव्यवस्था की रीढ़ - अध्यक्ष डॉ. रामप्रताप सिंह

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। श्रमिकों के सम्मान एवं उनके सर्वांगीण विकास के उद्देश्य से छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मंडल के अध्यक्ष डॉ. रामप्रताप सिंह के मुख्य आतिथ्य में जिला स्तरीय श्रमिक सम्मेलन का आयोजन आज महासमुंद के विशाल मेगा मार्ट परिसर में आयोजित किया गया। इस अवसर पर विधायक महासमुंद श्री योगेश्वर राजू सिन्हा, पूर्व राज्य मंत्री पूनम चंद्राकर, पूर्व विधायक डॉ. विमल चोपड़ा, जिला पंचायत उपाध्यक्ष भीखम सिंह ठाकुर, जनपद अध्यक्ष दिशा दीवान, स्काउट एवं गाइड के राज्य आयुक्त इन्द्रजीत सिंह गोल्डी एवं स्काउट एवं गाइड के जिलाध्यक्ष ऐतराम साहू प्रमुख रूप से मौजूद थे। कार्यक्रम के दौरान जिले के 3106 पंजीकृत श्रमिकों के खातों में 1 करोड़ 51 लाख 57 हजार 630 रुपये की राशि डीबीटी के माध्यम से अंतरित की गई। इस अवसर पर श्रमिकों में हर्ष एवं उत्साह का माहौल देखने को मिला। इस अवसर पर मुख्य अतिथि डॉ. रामप्रताप सिंह ने सभी लाभार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने बताया कि सभी जिले में श्रमिक सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है तथा आज महासमुंद जिले में 3 हजार से ज्यादा श्रमिकों को एक करोड़ 51 लाख रुपए से ज्यादा की राशि उनके खाते में भेजी जा रही है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार श्रमिकों के सामाजिक, आर्थिक एवं शैक्षणिक उत्थान के लिए निरंतर प्रतिबद्ध है। निर्माण एवं असंगठित क्षेत्र के श्रमिक प्रदेश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं और उनके सम्मान, सुरक्षा एवं कल्याण को सुनिश्चित करना शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने शासन द्वारा संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देते हुए श्रमिकों से अधिक से अधिक लाभ लेने का आह्वान किया।

डॉ. सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की सरकार में योजनाओं के क्रियान्वयन में सुशासन और पारदर्शिता को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई है। श्रमिकों को उनके हित की राशि अब सीधे उनके बैंक खातों में मिल रही है।

प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) से बदला शिव शंकर का जीवन

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन से जरूरतमंद परिवारों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन देखने को मिल रहा है। प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के माध्यम से सरगुजा जिले के लखनपुर नगर पंचायत में रहने वाले शिव शंकर का वर्षों पुराना पक्का मकान का सपना साकार हुआ है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व तथा मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के दृढ़ संकल्प से पात्र हितग्राहियों को आवास उपलब्ध कराने का कार्य प्राथमिकता से किया जा रहा है। इसी क्रम में शिव शंकर को योजना अंतर्गत स्वीकृत आवास का लाभ प्राप्त हुआ, जिससे उनका परिवार अब सुरक्षित एवं सम्मानजनक जीवन व्यतीत कर रहा है। शिव शंकर ने बताया कि पहले उनका परिवार जर्जर कच्चे मकान में रहा करता था। बारिश के दिनों में छत से पानी टपकने के कारण बच्चों सहित पूरे परिवार को गंभीर असुविधाओं का सामना करना पड़ता था। सीमित आय और पारिवारिक जिम्मेदारियों के चलते पक्का मकान बनवाना संभव नहीं हो पा रहा था। ऐसे समय में प्रधानमंत्री आवास योजना उनके लिए आशा की किरण बनकर आई।

हितग्राही शिव शंकर ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी एवं मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि योजना के सहयोग से उन्हें पक्का घर मिला है, जिससे उनके परिवार को सुरक्षा और स्थायित्व प्राप्त हुआ है। उन्होंने कहा कि अब वे अपने बच्चों के साथ सुरक्षित वातावरण में सुख-चौन से रह रहे हैं और उनका वर्षों पुराना सपना पूरा हो गया है।

प्रधानमंत्री आवास योजना का उद्देश्य केवल आवास उपलब्ध कराना ही नहीं, बल्कि आर्थिक रूप से कमजोर जरूरतमंद परिवारों को सम्मानजनक जीवन प्रदान करना है। योजना के प्रभावी क्रियान्वयन से जिले में पात्र लाभार्थियों को पारदर्शी प्रक्रिया के माध्यम से सीधे लाभ मिल रहा है।

उपमुख्यमंत्री शर्मा ने 12.63 करोड़ की सड़क का किया भूमिपूजन

13.6 किमी की 3 नई सड़कें बनने से गांवों का शहर से संपर्क होगा मजबूत

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। कवर्धा क्षेत्र में गांवों को शहर से जोड़ने के लिए 12 करोड़ 63 लाख 55 हजार रुपये की लागत से कुल 13.6 किलोमीटर लंबी सड़कों का निर्माण किया जाएगा। इससे ग्रामीणों का आवागमन आसान होगा और उन्हें शहर तक पहुंचने में सुविधा मिलेगी। उपमुख्यमंत्री एवं कवर्धा विधायक विजय शर्मा ने तीन सड़कों के निर्माण, मजबूती और उन्नयन कार्य का भूमिपूजन किया।

भूमिपूजन किए गए कार्यों में मेन रोड से बैहरसरी तक 6.05 करोड़ रुपए लागत की 8.80 किलोमीटर लंबी सड़क, मदनपुर से बटुराकछार तक 2.69 करोड़ रुपए लागत की 1.40 किलोमीटर लंबी सड़क एवं खड़ौदा से मदनपुर तक 3.87 करोड़ रुपए लागत की 3.40 किमी लंबी सड़क शामिल है। इन सड़कों के बनने से क्षेत्र के कई गांवों को बेहतर सड़क सुविधा मिलेगी और लोगों की आवाजाही पहले से अधिक सुगम हो जाएगी। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री ने ग्राम बैहरसरी में 25 लाख रुपए की लागत से सामुदायिक भवन निर्माण की घोषणा भी की।

उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में हर गांव का विकास किया जा रहा है। इसके लिए उन्हें अच्छी सड़कों के माध्यम से शहरों से जोड़ा जा रहा है। सड़क बनने से लोगों का आना-जाना आसान होगा और किसानों, विद्यार्थियों, मरीजों तथा आम लोगों को काफी सुविधा मिलेगी। अच्छी सड़क होने से किसान अपनी फसल आसानी से बाजार तक पहुंचा सकेंगे, खर्च कम होगा और समय की बचत होगी। साथ ही बच्चों को स्कूल-कॉलेज जाने, मरीजों को अस्पताल पहुंचने में भी सुविधा मिलेगी। इससे पूरे क्षेत्र के विकास को बढ़ावा मिलेगा और लोगों का जीवन स्तर बेहतर होगा।

उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने विकसित भारत जी राम जी योजना के संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि इस योजना के तहत अब प्रत्येक ग्रामीण परिवार को पहले के 100 दिनों के स्थान पर 125 दिनों का रोजगार उपलब्ध कराया जाएगा। यदि निर्धारित समय में काम उपलब्ध नहीं कराया जाता है तो संबंधित परिवार को बेरोजगारी भत्ता देने का प्रावधान भी रखा गया है। उन्होंने कहा कि गांव के विकास की प्राथमिकताएं अब ग्राम पंचायत स्वयं तय करेगी, जिससे स्थानीय जरूरतों के अनुसार कार्य किए जा सकेंगे।

इस योजना के माध्यम से जल संरक्षण, तालाब निर्माण, नाली-सड़क जैसी मूलभूत ग्रामीण अधोसंरचना, भूमि सुधार, पौधारोपण तथा अन्य विकास कार्य मनरेगा के तहत व्यापक रूप से कराए जा सकेंगे। इससे गांवों में स्थायी परिसंपत्तियों का निर्माण होगा और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी।

उप मुख्यमंत्री ने बताया कि नई सरकार बनने के बाद गांव में प्रधानमंत्री आवास स्वीकृत हुए हैं, जिससे पात्र परिवारों को पक्का मकान उपलब्ध कराया जा रहा है। उन्होंने कहा कि आवास प्लस 2024 सर्वे के माध्यम से ऐसे परिवारों की पहचान की गई है जो वास्तव में आवास के पात्र हैं। सर्वे सूची को ग्राम सभा में प्रस्तुत किया जाएगा और ग्राम सभा के प्रस्ताव के बाद सभी पात्र हितग्राहियों को क्रमवार आवास प्रदान किया जाएगा। उन्होंने कहा कि सरकार का लक्ष्य है कि कोई भी गरीब परिवार कच्चे मकान में न रहे और सभी को सम्मानजनक एवं सुरक्षित आवास उपलब्ध हो।

निरंतर डायलिसिस सेवाओं से किडनी मरीजों को राहत, निःशुल्क योजना बनी संबल

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं के सुदृढ़ीकरण की दिशा में किए जा रहे प्रयासों के सकारात्मक परिणाम अब ग्रामीण अंचलों में भी दिखाई देने लगे हैं। विशेष रूप से किडनी रोग से जूझ रहे मरीजों के लिए संचालित नि:शुल्क डायलिसिस सुविधा उपचार का महत्वपूर्ण आधार बनकर उभर रही है। इससे आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के मरीजों को नियमित उपचार उपलब्ध हो पा रहा है और उन्हें बड़े शहरों पर निर्भर नहीं रहना पड़ रहा है।

गरियाबंद जिले के देवभोग क्षेत्र में किडनी रोग लंबे समय से एक गंभीर चुनौती रहा है। ऐसे में स्थानीय स्तर पर स्वास्थ्य सेवाओं की सक्रियता और शासन की पहल से उपचार व्यवस्था अधिक संगठित और सुलभ हुई है। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र देवभोग में डायलिसिस सेवाएं नियमित रूप से संचालित हो रही हैं, जिसका सीधा लाभ क्षेत्र के मरीजों को मिल रहा है।

स्वास्थ्य विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार, बीते 10 दिनों में यहां कुल 95 डायलिसिस सत्र आयोजित किए गए हैं। यह

आंकड़ा दर्शाता है कि औसतन प्रतिदिन लगभग 10 मरीजों को डायलिसिस की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। निरंतर उपचार व्यवस्था से मरीजों को समय पर चिकित्सा सहायता मिल रही है और उनकी स्थिति की नियमित निगरानी भी की जा रही है।

किडनी रोगियों के लिए डायलिसिस एक जीवनरक्षक प्रक्रिया है, जिसे लंबे समय तक नियमित रूप से कराना आवश्यक होता है। इस संदर्भ में प्रदेश सरकार द्वारा अस्पतालों में नि:शुल्क डायलिसिस सुविधा उपलब्ध कराना स्वास्थ्य तंत्र की एक महत्वपूर्ण पहल साबित हो रही है। इससे दूरस्थ और ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले मरीजों के लिए उपचार की राह काफी आसान हुई है। प्रदेश स्तर पर भी डायलिसिस सेवाओं के विस्तार, आवश्यक उपकरणों की उपलब्धता तथा चिकित्सा दल की सक्रियता के कारण उपचार व्यवस्था अधिक प्रभावी हो रही है। स्वास्थ्य विभाग अब केवल उपचार तक सीमित न रहकर मरीजों की समय पर पहचान, नियमित जांच और सतत उपचार व्यवस्था पर भी विशेष ध्यान दे रहा है।

देवभोग में 10 दिनों के भीतर किए गए 95 डायलिसिस सत्र इस बात का संकेत हैं कि क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने की दिशा में निरंतर प्रयास जारी हैं। नि:शुल्क डायलिसिस योजना न केवल मरीजों के लिए राहत का माध्यम बनी है, बल्कि ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सुविधाओं की पहुंच को भी मजबूत कर रही है। डायलिसिस सेवाओं के सुचारू संचालन के लिए आवश्यक संसाधनों की उपलब्धता, उपकरणों के नियमित रखरखाव और मरीजों की सतत निगरानी पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। साथ ही, लोगों को समय-समय पर स्वास्थ्य जांच कराने और किडनी रोग के प्रति जागरूक रहने के लिए भी प्रेरित किया जा रहा है, ताकि गंभीर स्थितियों से समय रहते बचाव किया जा सके।

महतारी वंदन योजना से बनी आत्मनिर्भर

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। महतारी वंदन योजना ग्रामीण महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण का सशक्त माध्यम बनकर उभर रही है। योजना के माध्यम से प्राप्त आर्थिक सहायता से मुंगेली जिले के लोरमी ब्लॉक के ग्राम खुड़िया की कमलेश्वरी के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन आया है।

आर्थिक रूप से कमजोर परिवार से संबंध रखने वाली कमलेश्वरी सिलाई कार्य जानती थीं, किंतु संसाधनों के अभाव में स्वयं की सिलाई मशीन खरीद पाने में असमर्थ थीं। महतारी वंदन योजना के तहत प्राप्त राशि को संचित कर उन्होंने सिलाई मशीन क्रय की और गांव की महिलाओं एवं बच्चों के वस्त्र सिलने का कार्य प्रारंभ किया। गुणवत्तापूर्ण कार्य और समयबद्ध सेवा के कारण उनका छोटा व्यवसाय निरंतर प्रगति कर रहा है। वर्तमान

में वे प्रतिमाह लगभग 3 हजार रुपए की आय अर्जित कर परिवार की आर्थिक स्थिति सुदृढ़ कर रही हैं।

कमलेश्वरी ने बताया कि योजना ने उन्हें आत्मनिर्भर बनने का अवसर प्रदान किया है। उन्होंने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय सहित राज्य शासन के प्रति आभार व्यक्त किया। यह योजना ग्रामीण महिलाओं के आत्मविश्वास एवं आर्थिक उन्नयन की दिशा में प्रभावी सिद्ध हो रही है।

करीना कपूर पर ठहरीं सबकी नजरें

कल्याणी प्रियदर्शन और 'कांतारा' फेम ऋषभ शेट्टी ने अवॉर्ड नाइट में की शिरकत

मुंबई में एक अवॉर्ड नाइट इवेंट में कई बॉलीवुड और साउथ सेलेब्स को देखा गया। लेकिन महफिल की जान बनीं करीना कपूर। देखिए, इस इवेंट में कौन-कौन शामिल हुआ?

45 साल की करीना कपूर जब भी ग्लैमरस लुक में नजर आती हैं तो किसी भी महफिल की रौनक बढ़ा देती हैं। हाल ही में उन्हें और कई सेलेब्स को एक अवॉर्ड नाइट इवेंट में देखा गया। देखिए, कौन किस अंदाज में यहां नजर आया।

करीना कपूर ऑफशोल्डर रेड गाउन में बला की खूबसूरत दिखीं

करीना कपूर अपने फैशन सेंस के कारण हमेशा चर्चा में रहती हैं। इस अवॉर्ड फंक्शन में भी रेड ऑफशोल्डर गाउन पहने नजर आईं। इस इवेंट में शबाना आजमी भी नजर आईं। बाद में करीना औ शबाना गपशप करती नजर आईं।

'लोका चैप्टर 1' फेम एक्ट्रेस कल्याणी प्रियदर्शन का भी दिखा जलवा

पिछले साल फिल्म 'लोका चैप्टर 1' में कल्याणी प्रियदर्शन ने सुपरहीरो चंद्रा का रोल किया था। वह भी इस इवेंट में नजर आईं। उनका लुक भी चर्चा में रहा।

ऋषभ शेट्टी ने पत्नी संग इवेंट में की शिरकत

साउथ फिल्मों के एक्टर, डायरेक्टर ऋषभ शेट्टी 'कांतारा चैप्टर 1' के कारण देश भर में प्रसिद्ध हुए। वह भी इस अवॉर्ड फंक्शन में दिखाई दिए। उनके साथ पत्नी भी मौजूद थीं। ऋषभ ने अपनी पारंपरिक वेशभूषा पहनी थी।

दुलकर सलमान भी इवेंट में शामिल हुए

ऋषभ शेट्टी के अलावा साउथ एक्टर दुलकर सलमान भी अवॉर्ड नाइट की रौनक बढ़ाने पहुंचे थे।

मलयालम फिल्म 'लोका 2' की स्क्रिप्ट पर कल्याणी प्रियदर्शन ने दिया बड़ा अपडेट

मलयालम फिल्म 'लोका चैप्टर 1' का दूसरा पार्ट भी जल्द बनेगा। इस बारे में हाल ही में एक्ट्रेस कल्याणी प्रियदर्शन ने जानकारी साझा की है। जानिए, कब शुरू होगी, इस फिल्म की शूटिंग?

पिछले साल मलयालम फिल्म 'लोका चैप्टर 1' ने दर्शकों को हैरान किया। फिल्म की कहानी वुमन सुपरहीरो चंद्रा पर थी। बॉक्स ऑफिस पर भी इसने कमाल का कलेक्शन किया। अब इसका दूसरा पार्ट भी बनने वाला है। फिल्म को लेकर लीड एक्ट्रेस कल्याणी प्रियदर्शन ने अपडेट दिया है।

जल्द शुरू होगी फिल्म की शूटिंग

हाल ही में एक इवेंट में कल्याणी प्रियदर्शन शामिल हुईं। इस दौरान ही एक्ट्रेस ने 'लोका 2' को लेकर बात की। वह कहती हैं, 'फिल्म 'लोका 2' की स्क्रिप्ट पर काम चल रहा है। उम्मीद है कि शूटिंग सितंबर से शुरू होगी। मैं फिल्म का हिस्सा हूं। आप फिल्म का इंतजार करें।'

क्या थी 'लोका चैप्टर 1' की कहानी?

मलयालम फिल्म 'लोका' एक वुमन सुपरहीरो की कहानी थी। इसमें चंद्रा नाम की एक लड़की है, जिसमें पास कुछ सुपरपावर होती हैं। वह बेंगलुरु में रहने आती है और असहाय पुरुष और महिलाओं को मुश्किलों से बचाती है। वह उड़ सकती है, उसके पास लड़ने की असीम क्षमता, ताकत है। इस फिल्म का एक्शन, ड्रामा दर्शकों को पसंद आया है। इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर भी अच्छाई कमाई की थी।

कल्याणी की फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर की छप्परफाड़ कमाई

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार फिल्म 'लोका' का बजट 33 करोड़ रुपये है। इस फिल्म ने भारतीय बॉक्स ऑफिस पर ग्रास 183.96 करोड़ रुपये कमाए थे। इस फिल्म को कई एक्ट्रेस से सराहा। इस पहली वुमन सुपरहीरो मूवी कहा।

इस बार परिणीति नहीं, इस हीरोइन को अपनी बायोपिक में देखना चाहती हैं साइना नेहवाल

साइना नेहवाल की साल 2021 में बायोपिक रिलीज हुई। इसमें परिणीति चोपड़ा ने लीड रोल अदा किया। अगर, बैडमिंटन स्टार की बायोपिक दोबारा बनती है तो वे किसे अपने रोल में देखना पसंद करेंगी? उन्होंने इसका जवाब दिया है।

भारतीय स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी साइना नेहवाल के जीवन पर आधारित फिल्म 'साइना' साल 2021 में रिलीज हुई थी। इस फिल्म में परिणीति चोपड़ा ने साइना का लीड रोल अदा किया। हालांकि, अपनी बायोपिक में साइना जिस एक्ट्रेस को लीड रोल में देखना चाहती हैं, वह हैं श्रद्धा कपूर। आज भी श्रद्धा ही अपनी बायोपिक के लिए साइना की पहली पसंद हैं।

आज भी श्रद्धा कपूर पहली पसंद

बैडमिंटन प्लेयर साइना नेहवाल ने हाल ही में यह कहा कि अगर उनकी बायोपिक फिर से बनती है तो श्रद्धा कपूर उनकी पहली पसंद हैं। साथ ही साइना ने परिणीति के साथ अपने रिश्ते पर भी बात की। उन्होंने सोशल मीडिया पर चल रही उस चर्चा पर भी बात की, जिसमें कहा जा रहा है कि परिणीति ने कथित तौर पर साइना को इंस्टाग्राम पर अनफॉलो कर दिया है।

बायोपिक के लिए पहले भी श्रद्धा को चुना गया था

साइना नेहवाल ने कहा है कि अगर उनकी बायोपिक दोबारा बनती है, तो भी वह स्क्रीन पर अपने किरदार के लिए एक्ट्रेस श्रद्धा कपूर को ही चुनेंगी। साइना ने यह बात तब कही है, जब ऐसी चर्चा है कि परिणीति ने उन्हें इंस्टाग्राम पर अनफॉलो कर दिया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, परिणीति ने साल 2021 में साइना का रोल अदा किया। मगर, साइना नेहवाल ने असल में श्रद्धा को ही चुना था। मगर, आखिर में बात नहीं बन पाई।

श्रद्धा कपूर से अब भी होती है बात

साइना से पूछा गया कि अगर बायोपिक दोबारा बनती है तो वह अपने रोल के लिए किसे कास्ट करना चाहेंगी? इस पर उन्होंने तुरंत श्रद्धा का नाम लिया। शुरू में इस रोल के लिए श्रद्धा को कास्ट किया गया था, लेकिन खबर है कि शूटिंग शुरू होने से पहले हेल्थ प्रॉब्लम की वजह से उन्हें हटना पड़ा। साइना ने जोर देकर कहा कि एक्ट्रेस श्रद्धा हमेशा इस रोल के लिए उनकी पहली पसंद थीं। उन्होंने कहा, 'हम अभी भी टच में हैं और मैं उनसे कई बार मिल चुकी हूं। वह बहुत प्यारी लड़की हैं। डेंगू की वजह से उन्हें बाहर होना पड़ा'।

परिणीति के लिए क्या कहा?

परिणीति के साथ अपने वर्किंग रिलेशनशिप के बारे में बात करते हुए साइना ने कहा कि उनकी बातचीत ज्यादातर प्रोफेशनल थी। उन्होंने बताया, 'दोस्ती के लिए साथ में बहुत समय बिताना पड़ता है, लेकिन फिल्म को जल्दी रिलीज करना था, इसलिए ज्यादा समय नहीं मिल पाया। हम रोज नहीं मिलते थे'। परिणीति ने रोल की तैयारी में काफी मेहनत की। बैडमिंटन की टेक्निकल बातें सीखीं। बता दें कि फिल्म 'साइना' ने बॉक्स ऑफिस पर उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नहीं किया था।

नित्या मेनन ने बढ़ाया एक और कदम अब प्रोड्यूसर बन जीतेंगी लोगों का दिल

अपने अभिनय से लोगों के दिलों में राज करने वाली साउथ सिनेमा की जानी-मानी अभिनेत्री नित्या मेनन अब नई शुरुआत करने जा रही हैं। अभिनेत्री ने बताया कि वे अब बतौर प्रोड्यूसर डेब्यू करने जा रही हैं। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक खास वीडियो शेयर किया, जिसमें उन्होंने अपने नए प्रोडक्शन हाउस का ऐलान किया। अभिनेत्री नित्या मेनन ने लिखा, मेरे लिए फिल्में बनाना सिर्फ कहानियां सुनाना नहीं है, बल्कि दिल से दिल जुड़ने का तरीका है। जब मैं कुछ बनाती हूं तो यह न सिर्फ दर्शकों को बदलता है, बल्कि मुझे भी बदल देता है। अभिनेत्री ने बताया कि रचनात्मक प्रक्रिया में डूबकर मैं खुद में बदलाव महसूस करती हूं और जो इसे देखते हैं, उनके अंदर भी एक हल्का-सा परिवर्तन आता है। अभिनेत्री ने लिखा, यह बदलाव शुरू में शायद नजर न आए, लेकिन यह हमेशा के लिए असर छोड़ जाता है। फिल्म बनाना मेरे लिए व्यक्तित्व के उस सच्चे और संवेदनशील हिस्से को छूने जैसा है, जो सबसे असली होता है, जब मैं अभिनय करती थी। उसी समय मैंने सोच लिया था कि मैं प्रोड्यूसर बनूंगी और अब प्रोड्यूस करने पर भी यही सोच बनी रहेगी। आपके सामने पेश है- कीयूरी प्रोडक्शंस।

वीडियो में बताया गया है कि केयुरी धरती की गुफाओं से निकली है, चट्टान से बनी है, रोशनी से प्यार करती है, और किसी खास रूप में नहीं बंधी है। यह नाम और उसका मतलब नित्या की रचनात्मक सोच को दर्शाता है, जहां वे ऐसी कहानियां बनाना चाहती हैं जो गहरी भावनाओं को छूएं और लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाएं।

उन्हें 'थिरुचित्राम्बलम' (2022) के लिए राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार और चार फिल्मफेयर अवार्ड साउथ मिल चुके हैं। साल 1998 में एक बाल कलाकार के रूप में शुरुआत करने वाली नित्या मेनन बॉलीवुड की फिल्म मिशन मंगल में नजर आई थीं।

बच्चों के नाश्ते में शामिल करें चुकंदर, जानिए कैसे बनाएं स्वादिष्ट व्यंजन

चुकंदर एक ऐसी सब्जी है, जो न केवल स्वाद में बेहतरीन है, बल्कि सेहत के लिए भी बहुत फायदेमंद है। यह आयरन, फोलेट और विटामिन-सी का अच्छा स्रोत है। अगर आपके बच्चे चुकंदर खाना पसंद नहीं करते तो चिंता की कोई बात नहीं। इस लेख में हम आपको कुछ ऐसे तरीके बताएंगे, जिनसे आप चुकंदर को बच्चों के नाश्ते में शामिल कर सकते हैं और वे इसे खुशी-खुशी खा सकें।

चुकंदर का उपमा

उपमा एक लोकप्रिय दक्षिण भारतीय नाश्ता है, जिसे आप चुकंदर के साथ बना सकते हैं। इसके लिए सूजी को हल्का भून लें, फिर उसमें बारीक कटा हुआ चुकंदर डालें और मसाले मिलाएं। इसमें प्याज, हरी मिर्च, अदरक-लहसुन का पेस्ट डालकर पकाएं। यह नाश्ता न केवल स्वादिष्ट है बल्कि पोषण से भरपूर भी है। चुकंदर का रंग और स्वाद इसे खास बनाते हैं, जिससे बच्चे इसे खुशी-खुशी खाएंगे।

चुकंदर का चीला

चीला एक बेहतरीन विकल्प है, जिसे आप बेसन और चुकंदर के मिश्रण से बना सकते हैं। इसके लिए बेसन को पानी में घोलें और उसमें कद्दूकस किया हुआ कच्चा चुकंदर मिलाएं। साथ ही बारीक कटी हुई प्याज, हरी मिर्च, धनिया पत्ती और मसाले डालें। इसे तवे पर सेंकें जब तक कि यह सुनहरा न हो जाए। यह चीला न केवल स्वादिष्ट है बल्कि सेहतमंद भी है और बच्चों को पसंद आएगा।

चुकंदर का पराठा

पराठा हमेशा बच्चों को पसंद आता है, तो क्यों न इसे थोड़ा सेहतमंद बनाया जाए? आटे में उबला हुआ और मैश किया हुआ चुकंदर मिलाकर गूंध लें। इस पराठे को दही या अचार के साथ परोसें। यह न केवल स्वादिष्ट है बल्कि पौष्टिक भी है। चुकंदर का रंग और स्वाद इसे खास बनाते हैं, जिससे बच्चे इसे खुशी-खुशी खाएंगे। इससे उन्हें आयरन और विटामिन-सी भी मिलेगा, जो उनके स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद है।

चुकंदर का सूप

सूप एक अच्छा विकल्प हो सकता है, जिसे आप आसानी से बना सकते हैं। इसके लिए बारीक कटा हुआ कच्चा या उबला हुआ चुकंदर, प्याज, लहसुन, अदरक आदि सामग्रियों को पानी में डालकर पकाएं। पकने के बाद इसे मिक्सर से पीस लें और नमक-मिर्च मिलाकर गर्मागर्म परोसें। यह सूप न केवल स्वादिष्ट है बल्कि सेहत के लिए भी अच्छा है। चुकंदर का यह सूप बच्चों को ठंडक देने के साथ-साथ उनके स्वास्थ्य के लिए भी फायदेमंद है।

चुकंदर का जूस

चुकंदर का जूस बच्चों के लिए एक बढ़िया विकल्प हो सकता है। इसके लिए ताजे चुकंदर को अच्छे से धोकर छोटे-छोटे टुकड़ों में काट लें, फिर इसे मिक्सी में पीसकर जूस निकाल लें। इस जूस में आप नींबू का रस और थोड़ा शहद मिला सकते हैं ताकि इसका स्वाद और बेहतर हो सके। यह पेय न केवल स्वादिष्ट है बल्कि इसमें आयरन, पोटेशियम और विटामिन-सी की भरपूर मात्रा भी होती है, जो बच्चों की सेहत के लिए फायदेमंद है।

एआई की दुनिया में राष्ट्रीय मंच पर लहराया छत्तीसगढ़ का परचम

इंडिया एआई इंपैक्ट बिल्डथॉन में रायपुर के अनुराग मानिक और आस्था मानिक ने हासिल किया प्रथम स्थान

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। नई दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित प्रतिष्ठित एआई इंपैक्ट समिट में छत्तीसगढ़ के युवाओं ने अपनी प्रतिभा का परचम राष्ट्रीय स्तर पर लहराया है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने रायपुर के प्रतिभाशाली सिबलिंग अनुराग मानिक और आस्था मानिक को इंडिया इंपैक्ट बिल्डथॉन प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त कर प्रदेश को गौरवान्वित करने के लिए बधाई और शुभकामनाएं दी है।

उन्होंने कहा कि 40,000 से अधिक प्रतिभागियों के बीच तीन कठिन चरणों को सफलतापूर्वक पार करते हुए शीर्ष स्थान हासिल करना उनकी असाधारण प्रतिभा, परिश्रम और नवाचार क्षमता का प्रमाण है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि यह सफलता छत्तीसगढ़ के युवाओं की क्षमता, आत्मविश्वास और उभरती तकनीकी शक्ति का प्रतीक है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रतियोगिता में प्रस्तुत उनका कर्तव्य एआई ऐप विशेष रूप से सराहना का केंद्र रहा। यह एप्लिकेशन एआई-जनित आवाज और वास्तविक आवाज में अंतर पहचानकर लोगों को डिजिटल धोखाधड़ी से सुरक्षित रखने में सहायक होगा। तकनीक को सामाजिक सरोकारों से जोड़ने का यह प्रयास आज के डिजिटल युग में अत्यंत उपयोगी और प्रेरणादायक है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ के युवा अपनी परंपराओं और समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को संजोते हुए आधुनिक तकनीक और नवाचार के क्षेत्र में भी अग्रणी भूमिका निभा रहे हैं। यह उपलब्धि प्रदेश में शिक्षा, नवाचार और अवसरों के विस्तार की दिशा में हो रहे समग्र विकास का सशक्त प्रमाण है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि राज्य के युवा इसी प्रकार नई ऊँचाइयाँ प्राप्त करते हुए छत्तीसगढ़ को देश और दुनिया में नई पहचान दिलाएंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार युवाओं को तकनीक, नवाचार और स्टार्टअप के क्षेत्र में आगे बढ़ाने के लिए निरंतर प्रोत्साहन और अवसर उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है।

भारत मंडपम में एआई इम्पैक्ट समिटः छत्तीसगढ़ का स्टॉल बना आकर्षण केंद्र

रायपुर। भारत मंडपम, नई दिल्ली में आयोजित एआई इम्पैक्ट समिट में छत्तीसगढ़ द्वारा स्थापित स्टॉल देश-विदेश से आए निवेशकों, तकनीकी विशेषज्ञों, उद्योग प्रतिनिधियों और आगंतुकों के लिए प्रमुख आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। छत्तीसगढ़ ड्रिवन बाय इंटेलिजेंस थीम पर आधारित इस स्टॉल में राज्य की उभरती कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) क्षमता, अत्याधुनिक डिजिटल अधोसंरचना और निवेश संभावनाओं को प्रभावी ढंग से प्रदर्शित किया जा रहा है। स्टॉल में डिजिटल प्रस्तुति, सूचना पैनल और इंटरैक्टिव माध्यमों के जरिए छत्तीसगढ़ को उभरते टेक्नोलॉजी हब के रूप में प्रस्तुत किया जा रहा है, जिससे निवेशकों में विशेष उत्साह देखा जा रहा है।

स्टॉल में विशेष रूप से नवा रायपुर में स्थापित किए जा रहे देश के पहले एआई डाटा सेंटर पार्क की जानकारी प्रमुखता से दी जा रही है। इस महत्वाकांक्षी परियोजना में लगभग 1000 करोड़ रुपये का निवेश प्रस्तावित है तथा इसमें एक लाख तक ग्राफिक्स प्रोसेसिंग यूनिट (जीपीयू) स्थापित किए जाने की क्षमता विकसित की जाएगी। यह परियोजना देश में एआई आधारित सेवाओं, उच्च क्षमता डाटा प्रोसेसिंग और डिजिटल नवाचार को नई गति प्रदान करते हुए छत्तीसगढ़ को भविष्य की अर्थव्यवस्था के महत्वपूर्ण केंद्र के रूप में स्थापित करने में सहायक होगी।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने इस अवसर पर कहा कि एआई इम्पैक्ट समिट में छत्तीसगढ़ का स्टॉल देश-विदेश के निवेशकों और तकनीकी विशेषज्ञों के लिए आकर्षण का केंद्र बनना प्रदेश के लिए गर्व का विषय है। उन्होंने कहा कि नवा रायपुर में देश के पहले एआई डाटा सेंटर पार्क के माध्यम से राज्य को डिजिटल नवाचार, उच्च तकनीकी निवेश और भविष्य की अर्थव्यवस्था का अग्रणी केंद्र बनाने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ा जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह पहल प्रदेश के युवाओं के सपनों को नई उड़ान देने, नवाचार और उद्यमिता को नई ऊर्जा प्रदान करने तथा छत्तीसगढ़ के उज्ज्वल भविष्य की मजबूत आधारशिला तैयार करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि दृढ़ संकल्प और दूरदर्शी नीति के साथ छत्तीसगढ़ को नए भारत की डिजिटल क्रांति के अग्रणी राज्यों में स्थापित किया जाएगा।

स्टॉल पर औद्योगिक विकास नीति 2024-30 के अंतर्गत एआई, रोबोटिक्स और उन्नत प्रौद्योगिकी क्षेत्रों के लिए उपलब्ध विशेष प्रोत्साहनों, अनुदानों और निवेश-अनुकूल वातावरण की जानकारी भी निवेशकों को दी जा रही है। राज्य में निर्बाध विद्युत आपूर्ति, विकसित हो रहा नवा रायपुर स्मार्ट सिटी, उत्कृष्ट कनेक्टिविटी और उद्योग-हितैषी नीतियों को प्रमुखता से प्रदर्शित किया गया है। स्टॉल पर मौजूद अधिकारियों द्वारा निवेशकों और आगंतुकों को राज्य में उपलब्ध अधोसंरचना, निवेश अवसरों और नीतिगत प्रोत्साहनों की विस्तृत जानकारी प्रदान की जा रही है। इस दौरान कई राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय कंपनियों तथा तकनीकी संस्थानों के प्रतिनिधियों ने छत्तीसगढ़ में एआई और डाटा सेंटर क्षेत्र में निवेश की संभावनाओं में विशेष रुचि दिखाई तथा राज्य सरकार की दूरदर्शी पहल की सराहना की। यह सहभागिता न केवल निवेश संभावनाओं को सशक्त करने वाली है, बल्कि छत्तीसगढ़ को उभरते टेक्नोलॉजी और इनोवेशन इकोसिस्टम के रूप में स्थापित करने की दिशा में भी महत्वपूर्ण साबित होगी।

कृषि विज्ञान केन्दों के कर्मचारियों की समस्याओं के निराकरण हेतु प्रयासरत है कृषि विश्वविद्यालय

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के अंतर्गत संचालित कृषि विज्ञान केन्द्रों के वरिष्ठ वैज्ञानिकों, विषय वस्तु विशेषज्ञों एवं अन्य कर्मचारियों की समस्ययों के निराकरण हेतु इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय निरंतर प्रयासरत है। विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा कृषि विज्ञान केन्द्रों के आधिकारियों एवं कर्मचारियों की वेतन विसंगतियों के संबंध में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् नई दिल्ली तथा छत्तीसगढ़ शासन से निरंतर पत्राचार कर इन विसंगतियों को दूर करने के प्रयास किये जा रहे हैं।

उल्लेखनीय है कि कृषि विज्ञान केन्द्र, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् से शत-प्रतिशत वित्त पोषित परियोजना है जिसके तहत कृषि विज्ञान केन्द्रों के अधिकारियों तथा कर्मचारियों का वेतन एवं अन्य भत्ते भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद द्वारा प्रदान किये जाते हैं। आई.सी.ए.आर., नई दिल्ली द्वारा 20 अगस्त 2024 को जारी नये दिशा-निर्देशों के अनुसार कृषि विज्ञान केन्द्रों में पदस्थ अधिकारियों/कर्मचारियों के वेतन भत्तों मे विशेषकर एन.पी.एस. अंशदान एवं अन्य भत्तों में कटौती की गई है। पूर्व में उपरोक्त सभी भत्तों के लिए आई.सी.ए.आर. से अनुदान प्राप्त हो रहा था।

यह भी उल्लेखनीय है कि सम्पूर्ण पूरे भारत वर्ष में 731 कृषि विज्ञान केन्द्र संचालित है सभी जगहों पर कृषि विज्ञान केन्द्र केन्द के अधिकारियों/कर्मचारियों के वेतनभत्तों में आई.सी.एस.आर. के पत्र 20 अगस्त 2024 के नये दिशा-निर्देश के उपरांत वेतन भत्तों से संबंधित कटौती होने की वजह से पूर्ण वेतन भुगतान करने में कठिनाई उत्पन्न हो रही है। नये दिशा निर्देशों के अनुसार भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद द्वारा कृषि विज्ञान केन्द्रों के कर्मचारियों के मूल वेतन, मंहगाई भत्ता एवं गृह भाड़ा का भुगतान किया जा रहा है और पेंशन अनुदान एवं अन्य भत्तों का भुगतान नहीं किया जा रहा है।

इस संबंध मे कृषि विज्ञान केन्द्रों के कर्मचारियों द्वारा दायर याचिका पर उच्च न्यायालय, बिलासपुर द्वारा जारी स्थगन आदेश के परिपालन में विश्वविद्यालय द्वारा याचिकाकर्ताओं को पूर्ववत् वेतन भत्तों का भुगतान किया जा रहा है, जिसके लिए विगत वित्तीय वर्ष 2024-25 में विश्वविद्यालय ने अपने रिसिप्ट एकाउंट में से 1.6 करोड़ रुपए का अतिरिक्त भुगतान किया है।

इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के पास स्वयं के आय के स्त्रोत नही है अत: विश्वविद्यालय द्वारा कृषि विज्ञान केन्द्रों के कर्मचारियों को पूर्ववत् वेतन भत्तों का भुगतान करने हेतु वित्तीय वर्ष 2025-26 में राज्य शासन से 3.50 करोड़ रुपए की राशि प्रदान करने अनुरोध किया गया है ताकि समय पर पूर्ववत् वेतन भत्तों का भुगतान किया जा सके। वेतन मे अंतर की राशि के संबंध में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद एवं छत्तीसगढ़ शासन से निरंतर पत्राचार किया जा रहा है। यदि भविष्य में आई.सी.ए.आर. द्वारा पूर्ववत् सम्पूर्ण वेतन भुगतान हेतु राशि उपलब्ध कराई जाती है।

उप मुख्यमंत्री ने बम्हनी में लोधी समाज के सामुदायिक भवन का किया भूमिपूजन, 20 लाख की लागत से होगा तैयार

सामुदायिक भवन से समाज को मिलेगा स्थायी मंच, सामाजिक एकजुटता होगी मजबूतः उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कबीरधाम जिले के ग्राम बम्हनी में लोधी समाज के लिए 20 लाख रुपये की लागत से बनने वाले सामुदायिक भवन निर्माण कार्य का भूमि पूजन किया। लंबे समय से समाज के लोगों को अपने सामाजिक और पारिवारिक कार्यक्रमों के लिए उचित स्थान की आवश्यकता थी, जिसे उप मुख्यमंत्री की पहल से अब यह भवन पूरा होगा।

इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने उपस्थित लोधी समाज के लोगों को बधाई देते हुए कहा कि इस भवन का सभी लोगों के काम के लिए मिल-जुलकर उपयोग करें। यह भवन समाज के कार्यक्रम, बैठक, शादी-विवाह और अन्य आयोजनों के लिए बहुत काम आएगा। इससे पूरे गांव के लोगों को भी सुविधा मिलेगी। उन्होंने यह भी कहा कि सरकार गांवों में जरूरी सुविधाएं बढ़ाने और विकास के लिए लगातार काम कर रही है। इस दौरान उन्होंने ग्राम बम्हनी में अटल डिजिटल सुविधा केंद्र प्रारंभ करने के निर्देश दिए।

उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि नई सरकार बनने के बाद प्रदेश में 18 लाख आवास स्वीकृत किए गए हैं। केवल ग्राम बम्हनी में ही पिछले दो वर्षों में 113 आवास स्वीकृत हुए, जिनमें से 84 आवास का निर्माण पूरा हो चुका है। उन्होंने कहा कि महिलाओं की बैठकों और गतिविधियों के लिए गांव में महतारी सदन का निर्माण कराया गया है। प्रदेश भर में ऐसे महतारी सदनों का निर्माण ग्राम पंचायतों में किया जा रहा है, ताकि महिलाओं को एक सुरक्षित और सुविधाजनक स्थान मिल सके।

उप मुख्यमंत्री ने बताया कि ग्राम पंचायतों में अटल डिजिटल सुविधा केंद्र भी शुरू किए जा रहे हैं, जहां महिलाओं, बुजुर्गों और दिव्यांगजनों को गांव में ही पैसा निकालने सहित अन्य सुविधाएं मिल रही हैं। उन्होंने बम्हनी में भी एक सप्ताह के भीतर यह केंद्र शुरू करने के निर्देश सीईओ जनपद पंचायत को दिए। इस दौरान जिला पंचायत अध्यक्ष ईश्वरी साहू, जिला पंचायत सदस्य डॉ वीरेन्द्र साहू, युवा प्रदेशाध्यक्ष लोधी समाज सुरेश सिंगौर, जिला लोधी समाज अध्यक्ष संतोष कौशिक, सहित अन्य जनप्रतिनिधि और समाज के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि सहकारिता के माध्यम से आज कई तरह के काम किए जा सकते हैं और इससे युवाओं के लिए रोजगार के अवसर भी बढ़ रहे हैं। उन्होंने बताया कि कवर्धा क्षेत्र की महिलाएं और पशुपालक गुजरात के बनासकांठा जिले का भ्रमण कर वहां की डेयरी व्यवस्था और सहकारी गतिविधियों को देखकर आए हैं।

उन्होंने यह भी बताया कि वे स्वयं भी वहां की डेयरी संस्थाओं का कार्य देखने गए थे और वहां से कई उपयोगी अनुभव प्राप्त हुए। उन्होंने कहा कि सहकारिता के माध्यम से दुग्ध उत्पादन, पशुपालन, कृषि और अन्य क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर काम किया जा सकता है, जिससे लोगों की आय बढ़ेगी और गांव की अर्थव्यवस्था मजबूत होगी। उन्होंने भ्रमण के दौरान मिले अनुभव को साझा करते हुए कहा कि यदि गांव के लोग मिलकर सहकारी रूप से काम करें तो वे आत्मनिर्भर बन सकते हैं और आगे बढ़ सकते हैं।

पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल ने लखनपुर क्षेत्र में 259.68 लाख रु. के विकास कार्यों का किया भूमिपूजन

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल ने सरगुजा जिले के लखनपुर विकासखंड अंतर्गत ग्राम केवरा, जमगला, पुहपुटरा, निम्हा, लहपटरा, खैरबार, केशवपुर, रामपुर एवं सुखरी के धान उपार्जन केन्द्रों में विभिन्न विकास कार्यों का विधिवत भूमिपूजन किया। इस अवसर पर उन्होंने क्षेत्रवासियों को बधाई एवं शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि राज्य सरकार किसानों की सुविधा और समृद्धि के लिए निरंतर ठोस कदम उठा रही है। इन धान उपार्जन केन्द्रों में बाउण्ड्री वाल निर्माण, कवर्ड प्लेटफार्म निर्माण तथा अन्य आवश्यक आधारभूत संरचनाओं के विकास कार्य प्रस्तावित हैं। इन सभी कार्यों पर कुल 259.68 लाख रू. की लागत से निर्माण कराया जाएगा।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मंत्री अग्रवाल ने कहा कि राज्य सरकार का संकल्प है कि किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य समय पर मिले और उपार्जन प्रक्रिया पूरी तरह सुव्यवस्थित एवं पारदर्शी हो। धान उपार्जन केन्द्रों में आधारभूत सुविधाओं के सुदृढ़ होने से किसानों को सुरक्षित भंडारण, सुगम परिवहन और व्यवस्थित व्यवस्था का लाभ मिलेगा। इससे उपार्जन प्रक्रिया में पारदर्शिता और सुगमता आएगी, जिससे किसानों को न्यूनतम समर्थन मूल्य पर बिक्री का पूरा लाभ मिल सकेगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश में किसान हित सर्वोपरि है। धान उपार्जन व्यवस्था को मजबूत करने के साथ-साथ ग्रामीण अधोसंरचना के विकास पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है, ताकि गांवों में ही बेहतर सुविधाएँ उपलब्ध हो सकें।

मंत्री अग्रवाल ने आगे कहा कि इन कार्यों के पूर्ण होने से धान खरीदी व्यवस्था और अधिक सुचारू होगी, जिससे किसानों को अनावश्यक असुविधा का सामना नहीं करना पड़ेगा। साथ ही क्षेत्र में आधारभूत संरचनाएँ मजबूत होने से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी गति मिलेगी।

राज्य सरकार द्वारा कृषि क्षेत्र को सशक्त बनाने, किसानों की आय में वृद्धि करने तथा ग्रामीण क्षेत्रों में विकास कार्यों को गति देने की दिशा में निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। धान उपार्जन केन्द्रों का सुदृढ़ीकरण उसी श्रृंखला की महत्वपूर्ण कड़ी है। राज्य सरकार ने धान खरीदी को डिजिटल प्लेटफॉर्म पर ले जाकर रजिस्ट्रेशन और भुगतान प्रक्रिया को तेज किया है। सरगुजा जैसे आदिवासी बहुल क्षेत्रों में सड़क, भंडारण और बिजली सुविधाओं का विस्तार हो रहा है। मंत्री अग्रवाल ने जोर देकर कहा कि ये विकास कार्य ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करेंगे और छत्तीसगढ़ को किसान कल्याण का मॉडल राज्य बनाएंगे।

पिछले वर्षों में राज्य सरकार ने किसान क्रेडिट कार्ड, बीमा योजनाओं और जैविक खेती प्रशिक्षण पर विशेष ध्यान दिया है। इन पहलों से किसानों की आय दोगुनी करने का लक्ष्य साकार हो रहा है। लखनपुर विकासखंड के इन ग्रामों में होने वाले कार्य पूर्ण होने पर न केवल उपार्जन केंद्र आधुनिक बनेंगे, बल्कि स्थानीय रोजगार के नए अवसर भी सृजित होंगे।

कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों, कृषकों तथा बड़ी संख्या में ग्रामीणों की उपस्थिति रही। उपस्थित किसानों ने राज्य सरकार द्वारा किए जा रहे विकास कार्यों की सराहना करते हुए इसे किसान हित में महत्वपूर्ण पहल बताया।

वन अग्नि सुरक्षा के लिए जागरूकता अभियान, ग्रामीणों और विद्यार्थियों ने ली संरक्षण की शपथ

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य वन विकास निगम के अंतर्गत बारनवापारा परियोजना मंडल की रायकेरा रेंज द्वारा ग्राम सुकुलबाय में वन अग्नि सुरक्षा एवं जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम शासकीय विद्यालय परिसर एवं ग्राम में आयोजित हुआ, जिसमें विद्यार्थियों, ग्रामीणों और जनप्रतिनिधियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

कार्यक्रम के दौरान उपस्थित लोगों को जंगल में आग लगने के कारणों, उससे होने वाले नुकसान और बचाव के उपायों की सरल भाषा में जानकारी दी गई। विशेष रूप से महुआ बीनने के दौरान आग लगाने की परंपरा से होने वाले दुष्परिणामों पर प्रकाश डाला गया और ग्रामीणों से इस आदत को छोड़ने की अपील की गई।

निगम के अधिकारियों ने बताया कि फायर सीजन सामान्यत: फरवरी से जून तक रहता है। इस अवधि में तापमान अधिक होने और जंगल में सूखी पत्तियों की मात्रा बढ़ने के कारण आग लगने की संभावना अधिक रहती है।

बहुमूल्य वन संपदा, पौधों और वृक्षों का नष्ट होना। वन्यजीवों के आवास को नुकसान और उनकी मृत्यु, मिट्टी की उर्वरता में कमी, पर्यावरण प्रदूषण और तापमान में वृद्धि और ग्रामीणों की आजीविका पर प्रतिकूल प्रभाव। ग्रामीणों को यह भी बताया गया कि जानबूझकर जंगल में आग लगाना दंडनीय अपराध है। भारतीय वन अधिनियम 1927 की धारा 26 एवं 33 के तहत वन क्षेत्र में आग लगाना या वनों को क्षति पहुँचाना अपराध है, जिसमें जुर्माना और कारावास का प्रावधान है।

इस जागरूकता कार्यक्रम में लोगों को आग से बचाव के लिए सुझाव दिए गए जैसे जंगल में बीड़ी, सिगरेट या जलती हुई वस्तु न फेंकें। महुआ या तेंदूपत्ता संग्रह के दौरान आग का प्रयोग न करें। सूखी पत्तियों को हटाने के लिए विभाग को सूचना दें। साथ ही साथ किसी भी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी तुरंत वन विभाग को दें। फायर लाइन निर्माण और साफ-सफाई में सहयोग करें। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित जनप्रतिनिधियों और निगम कर्मचारियों ने सभी ग्रामीणों को वन संरक्षण की शपथ दिलाई।

खास खबर

फाइनेंस कंपनी के खाते से 9.53 लाख का गबन

रायपुर। रायपुर के तेलीबांधा थाना क्षेत्र में संचालित श्यामनगर भारत फाइनेंशियल इंक्लूजन लिमिटेड कंपनी के शाखा मैनेजर ने कंपनी के खाते से किश्तों में 9.53 लाख रुपए का गबन किया है। कंपनी प्रबंधन की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी। आरोपी का नाम रामेश्वर दास बताया गया है। तेलीबांधा पुलिस के अनुसार, शिकायतकर्ता दीपक कुमार मोरचे ने आरोपी रामेश्वर दास की शिकायत की है। बताया गया कि रामेश्वर दास 19 मार्च 2023 से 31 मई 2024 तक कंपनी में शाखा मैनेजर के पद पर पोस्टेड था। अपनी पोस्टिंग के दौरान उन्होंने कंपनी के 9.53 लाख का गबन किया। आरोपी के कंपनी छोड़ने के बाद ऑडिट में फर्जीवाड़े का खुलासा हुआ। दीपक कुमार मोरचे की शिकायत पर तेलीबांधा पुलिस ने आरोपी के खिलाफ केस दर्ज किया और जांच शुरू कर दी। शिकायतकर्ता दीपक कुमार मोरचे की जानकारी पर आरोपी रामेश्वर दास के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। आरोपी के खिलाफ जांच जारी है।

मंदिर दर्शन करने गई महिला के गले से चेन चोरी

रायपुर। राजधानी रायपुर के महादेव घाट मंदिर परिसर में दर्शन के लिए गई महिला के गले से सोने की चेन चोरी हो गई। अज्ञात चोर ने मंदिर में मौजूद भारी भीड़ का फायदा उठाकर वारदात अंजाम दिया। वारदात के बाद पीड़िता के बेटे कोणाल देवरनकर ने शिकायत दर्ज कराई, जिस पर पुलिस ने जांच शुरू कर दी। मामला डीडी नगर थाना क्षेत्र का है। कोणाल ने गुरुवार की शाम डीडी नगर थाना पहुंचकर बताया कि उनकी मां महादेव घाट स्थित हटकेश्वर मंदिर दर्शन के लिए गई थीं। मंदिर जाने के दौरान उन्होंने सोने की चेन पहनी हुई थी। जिसे भीड़ का फायदा उठाकर चोर ने तोड़ लिया। घटना की जानकारी मिलने के बाद पीड़िता ने घर जाकर अपने बेटे को बताया, जिस पर उसने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। डीडी नगर थाना प्रभारी रविंद्र यादव ने पीड़िता के परिजनों की शिकायत पर एफआईआर दर्ज करने की पुष्टि की।

कटघोरा में पदस्थ रहे कृषि मंडी अधिकारी गिरफ्तार

कोरबा। शादी का झांसा देकर दुष्कर्म के मामले में आरोपी कटघोरा में पदस्थ रहे कृषि मंडी अधिकारी को पुलिस ने रायगढ़ से गिरफ्तार किया। कटघोरा थाना प्रभारी निरीक्षक धर्मनारायण तिवारी के मुताबिक क्षेत्र की एक पीड़िता ने कटघोरा में पदस्थ रहे पूर्व कृषि मंडी अधिकारी राहुल साहू के खिलाफ बुधवार को रिपोर्ट लिखाई। पीड़िता ने बताया कि आरोपी राहुल साहू उसे शादी करने का झांसा देकर पिछले 1 साल से उससे फिजिकल रिलेशन बनाया। इसी माह दोनों की शादी तय करने की बात कही थी, जिससे उसका परिवार तैयारियों में जुटा था, लेकिन एकाएक राहुल साहू ने शादी करने से इंकार कर दिया। पीड़िता के परिवार के मानने पर भी नहीं मानने पर थाने में केस दर्ज कराया। पुलिस ने मामले में आगे विवेचना जारी होने की जानकारी दी है।

पैसों के विवाद में पिता बना हैवान टांगी से उड़ा दिया बिटिया का सिर

श्रीकंचनपथ न्यूज

जशपुर। जशपुर जिले के नारायणपुर थाना क्षेत्र के ग्राम जामटोली में घर बनाने को लेकर विवाद हो गया। इसी दौरान एक पिता ने अपनी 23 साल की बेटी पर कुल्हाड़ी से हमला कर उसकी हत्या कर दी। पुलिस ने आरोपी पिता को अरेस्ट कर लिया है।

जानकारी के मुताबिक, बिंदिया लकड़ा (23) आंगनबाड़ी सहायिका के पद पर कार्यरत थी। बिंदिया अपने घर के पास नया मकान बनवा रही थी। उसने मकान की नींव खुदवा ली थी और निर्माण कार्य के लिए रेत भी मंगवाकर रखी थी।

18 फरवरी की दोपहर करीब 3 बजे पिता लौरेस लकड़ा (47) घर आया और बेटी से घर निर्माण के लिए ईंट-गिट्टी जल्द मंगवाने या फिर पैसे देने की बात कहने लगा। इसी बात पर पिता-बेटी के बीच बहस तेज हो गई।

गुस्से में आकर लौरेस लकड़ा ने घर में रखी कुल्हाड़ी के पिछले हिस्से से बिंदिया के सिर पर जोरदार वार कर दिया। गंभीर चोट लगने से बिंदिया की मौके पर ही मौत हो गई।

बहन ने दर्ज कराई रिपोर्ट

इस मामले में मृतिका की बहन अनुषा लकड़ा (22) ने 18 फरवरी को नारायणपुर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई। उसने बताया कि पिता लौरेस, बिंदिया और छोटा भाई गांव जामटोली स्थित मायके में रहते थे।

हत्या का केस दर्ज

बहन की रिपोर्ट के आधार पर नारायणपुर थाने में आरोपी के खिलाफ बीएनएस की धारा 103(1) के तहत हत्या का केस दर्ज किया गया है।

पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव का पंचनामा तैयार किया और पोस्टमार्टम कराया। शॉर्ट पीएम रिपोर्ट में डॉक्टरों ने मौत का कारण सिर में गंभीर चोट बताया है।

पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी पिता लौरेस लकड़ा को हिरासत में लिया। पूछताछ में आरोपी ने अपराध स्वीकार कर लिया। इसके बाद पुलिस ने उसे विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया।

एएसपी बोले - पारिवारिक विवाद मर्डर

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राकेश पाटनवार ने बताया कि यह घटना पारिवारिक विवाद के चलते हुई है। मामले में तत्काल एफआईआर दर्ज कर वैज्ञानिक साक्ष्यों के आधार पर जांच की गई और आरोपी को जल्द गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया।

तेज रफ्तार वाहन की टक्कर से मां और 2 साल की बेटी की मौत

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सिरसा गेट के पास गुरुवार दोपहर 2 बजे करीब एक तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने बाइक सवार दंपति को पीछे से टक्कर मार दी। इस दर्दनाक हादसे में 32 वर्षीय अनीता दुबे और उनकी 2 साल की मासूम बेटी सोनम दुबे की मौत हो गई।

जानकारी के अनुसार पद्मनाभपुर निवासी राकेश दुबे अपनी बाइक (CG 07 CN 5190) से रायपुर से घर लौट रहे थे। उनके साथ पत्नी अनीता दुबे और बेटी सोनम भी सवार थीं। सिरसा गेट पहुंचते ही पीछे से आ रही तेज रफ्तार कार ने बाइक को जोरदार ठोकर मार दी, जिससे तीनों सड़क पर गिर पड़े। हादसे में अनीता दुबे ने मौके पर ही दम तोड़ दिया, जबकि गंभीर रूप से घायल सोनम को इलाज के लिए लाल बहादुर शास्त्री अस्पताल सुपेला ले जाया गया, जहां उपचार के दौरान उसकी भी मौत हो गई।

घटना के बाद आरोपी वाहन चालक मौके से फरार हो गया। पुरानी भिलाई थाना पुलिस ने अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस के अनुसार आरोपियों की तलाश की जा रही है और आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं।

टिटिलागढ़ पुलिस ने किया पर्दाफाश, बाइक की सीट काट अंदर छिपा रखा था गांजा

श्रीकंचनपथ न्यूज

टिटिलागढ़। महाशिवरात्रि मेले की आड़ में पुलिस की आंखों में धूल झोंककर गांजे की तस्करी करने वाले एक गिरोह का टिटिलागढ़ पुलिस ने पर्दाफाश किया है। तस्करों ने नशे के काले कारोबार के लिए बाइक को इस तरह मॉडिफाई किया था कि पुलिस भी एक पल के लिए चकमा खा गई। इस मामले में पुलिस ने 3 बाइक जब्त कर 4 आरोपियों को हिरासत में लिया है।

मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर टिटिलागढ़ पुलिस ने झारदेवंद जंगल में छापेमारी की। वहां बौद्ध जिले के कांटामाल इलाके के चार तस्कर डेरा डाले हुए थे। शुरुआती तलाशी में पुलिस को कुछ नहीं मिला, लेकिन जब संदेह होने पर तस्करों को बाइक की सीट से उतारा गया और सीट का कवर हटाया गया, तो पुलिस दंग रह गई। बाइक की सीट को काटकर उसके अंदर गांजे के पैकेट छिपाने के लिए विशेष जगह बनाई गई थी। सीट के अलावा बाइक के पिछले हिस्से और बैगों में भी गांजे के पैकेट ठूस-ठूस कर भरे हुए थे।

पुलिस ने तस्करों के कब्जे से कुल 23 किलो गांजा जब्त किया। इस पूरी कार्रवाई का नेतृत्व एसडीपीओ यशवंत प्रधानी और थाना प्रभारी मनोज कुमार मुंडा ने किया। टीम में एएसआई किरण जानी, एएसआई कार्तिक प्रधान और अन्य पुलिसकर्मी शामिल थे।

लूटकांड का खुलासा : 24 घंटे में 5 आरोपी गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। सरकंडा थाना क्षेत्र के राजकिशोर नगर में हुई बहुचर्चित लूट की वारदात का पुलिस ने 24 घंटे के भीतर खुलासा कर दिया है। मामले में 5 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। आरोपियों के पास से लूटे गए सोने के जेवर, नगदी और घटना में प्रयुक्त हथियार भी बरामद किए गए हैं।

प्राप्त जानकारी के अनुसार 17 फरवरी की रात करीब 9:15 बजे महालक्ष्मी ज्वेलर्स के संचालक संतोष तिवारी दुकान बंद कर ज्वेलरी लेकर अपने घर लौट रहे थे। इसी दौरान एक मारुति ईको कार में सवार अज्ञात बदमाशों ने उनकी कार को टक्कर मार दी। जैसे ही वे वाहन से उतरे, आरोपियों ने पिस्टल और हथौड़े से हमला कर उन्हें घायल कर दिया और कार में रखे सोने के आभूषण, कच्चा सोना, फाइन गोल्ड तथा करीब 3.50 लाख रुपये नगद लूटकर फरार हो गए।

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस महानिरीक्षक रामगोपाल गर्ग के निर्देश पर जिले सहित आसपास के क्षेत्रों में नाकाबंदी कर दी गई और विशेष टीमों का गठन किया गया। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज, तकनीकी विश्लेषण, डॉग स्क्वॉड और फॉरेंसिक जांच के आधार पर आरोपियों का सुराग लगाया।

जांच के दौरान आरोपियों के उत्तर प्रदेश की ओर भागने की सूचना मिलने पर वहां की पुलिस से समन्वय स्थापित किया गया। मिर्जापुर जिले के अहरौरा थाना क्षेत्र में घेराबंदी कर चार आरोपियों को गिरफ्तार किया गया, जबकि एक अन्य आरोपी को अलग से पकड़ा गया। आरोपियों से लूट का सामान और आग्नेय अस्त्र बरामद किए गए हैं। पुलिस के अनुसार गिरोह का सरगना विजय लांबा एक शातिर अंतरराज्यीय अपराधी है, जिसके खिलाफ विभिन्न राज्यों में 70 से अधिक आपराधिक मामले दर्ज हैं।

पुलिस की एक टीम आगे की कार्रवाई के लिए उत्तर प्रदेश पहुंच गई है। साथ ही आरोपियों से पूछताछ कर अन्य घटनाओं में उनकी संलिप्तता की भी जांच की जा रही है।

सामूहिक विवाह योजना में फर्जीवाड़ा, पहले से शादीशुदा जोड़े ने दोबारा लिए फेरे

श्रीकंचनपथ न्यूज

कांकेर। मुख्यमंत्री सामूहिक कन्या विवाह योजना के तहत आयोजित सामूहिक विवाह समारोह में एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। गोविंदपुर में 10 फरवरी को हुए कार्यक्रम में एक पहले से विवाहित जोड़े ने योजना का लाभ लेने के लिए दोबारा शादी कर ली। सोशल मीडिया पर तस्वीरें वायरल होने के बाद पूरे मामले का खुलासा हुआ।

जानकारी के मुताबिक, ग्राम पंचायत प्रेमनगर के सुदीप विश्वास और ग्राम पीवी 64 की स्वर्णा मिस्त्री ने 3 जून 2025 को पारंपरिक रीति-रिवाज से पहले ही विवाह कर लिया था और साथ रह रहे थे। इसके बावजूद दोनों ने सामूहिक विवाह योजना में पंजीयन कराया और कार्यक्रम में दोबारा सात फेरे लिए।

मामले के सामने आने के बाद आवेदन और सत्यापन प्रक्रिया पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। बताया जा रहा है कि आवेदन हरनगढ़ सेक्टर से किया गया, जबकि नियम के अनुसार वधू पक्ष के स्थानीय आंगनबाड़ी केंद्र से आवेदन किया जाना अनिवार्य है। आरोप है कि आंगनबाड़ी कार्यकर्ता और सेक्टर सुपरवाइजर ने बिना पर्याप्त जांच के आवेदन स्वीकृत कर लिया।

पंचायत से अविवाहित होने का प्रमाण पत्र तो लिया गया, लेकिन वास्तविक वैवाहिक स्थिति की सही जांच नहीं की गई। वायरल तस्वीरों में दूल्हा-दुल्हन पारंपरिक वैवाहिक चिन्हों—सिंदूर और बंगाली रीति के 'पोला'—में नजर आ रहे हैं, जिससे उनके पहले से विवाहित होने के संकेत मिलते हैं।

गौरतलब है कि इस योजना के तहत प्रत्येक जोड़े को 50 हजार रुपये की आर्थिक सहायता दी जाती है। ऐसे में फर्जी तरीके से पंजीकरण कर सरकारी राशि हासिल करने का मामला सामने आया है, जो प्रशासनिक लापरवाही को उजागर करता है। प्रशासन ने मामले की जांच शुरू कर दी है और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई के संकेत दिए हैं।

12वीं की छात्रा ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

जांजगीर। जिले के लछनपुर गांव में 12वीं कक्षा की एक छात्रा ने अपने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र के लछनपुर गांव की है। जानकारी के अनुसार, छात्रा रजनी सूर्यवंशी 18 फरवरी को अपने कमरे में पंखे से लटकी हुई मिली। उसकी मां जब मजदूरी से घर लौटीं, तो कमरे का दरवाजा अंदर से बंद था। कई बार आवाज देने के बाद भी कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली। संदेह होने पर उन्होंने खिड़की से झांककर देखा, जहां उनकी बेटी फंदे से लटकी नजर आई। परिजनों ने पड़ोसियों की मदद से दरवाजा तोड़ा, लेकिन तब तक रजनी की मौत हो चुकी थी। सूचना मिलने पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची और शव को नीचे उतारकर पंचनामा कार्रवाई की। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

चोरों ने ट्रेलर से 200 लीटर डीजल किया चोरी

कोरबा। कोरबा गोपालपुर के पास सड़क किनारे खड़े ट्रेलर से आधी रात को स्कॉर्पियो में पहुंचे बदमाश टंकी से 200 लीटर डीजल निकालकर ले भागे। घटना के बाद क्षेत्र में दहशत है। घटना दर्री थाना अंतर्गत गोपालपुर के पास मंगलवार-बुधवार देर रात 1 बजे की है। यहां पर ट्रेलर को खड़ा कर चालक सो रहा था। इस दौरान काली कलर की स्कॉर्पियो ट्रेलर के पास आकर रुकी। इसमें से 5 लोग उतरे, जो सब्बल से डीजल टंकी का लॉक तोड़कर डिब्बों में डीजल भरने लगे। चालक ने बाहर निकलकर उनका विरोध किया तो उसे धमकाते हुए 200 लीटर डीजल निकालकर ले गए। बदमाशों के भागने के बाद ट्रेलर चालक ने आसपास खड़े अन्य वाहन के चालकों को घटना की जानकारी दी, जिससे वहां दहशत फैल गई। चालक ने बदमाशों के डर से पुलिस को घटना की सूचना नहीं दी।

न्यायालय तहसीलदार, दुर्ग जिला दुर्ग (छ.ग.)

:: विक्रय की उदघोषणा ::

क्रमांक/ 611/ तहसीलदार/ प्र.01/ 2026 दुर्ग दिनांक 13/02/2026

एतद द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि "महात्वाकांक्षी बिल्डर्स, पता-दुकान नंबर 67, बी.एस.पी. मार्केट, रिसाली भिलाई तहसील व जिला दुर्ग के स्वामित्व की कुर्कशुदा सम्पत्तियों की नीलामी दिनांक 25/02/2026, दिन- बुधवार को समय 12:00 बजे से दोपहर टैगोर हॉल, शासकीय विश्वनाथ तामस्कर महाविद्यालय, जी.ई. रोड दुर्ग में किया जाना है।

इच्छुक बोलीदार संपत्ति के **"बाजार मूल्य"** का अग्रिम राशि का **10 प्रतिशत राशि** को बैंकर्स चेक या डिमांड ड्राफ्ट के माध्यम से तहसीलदार दुर्ग के पक्ष **दिनांक 24/02/2026, दिन-मंगलवार तक कार्यालयीन समय सुबह 11:00 बजे से सायं 04:00 बजे के मध्य (अवकाश दिवस को छोड़कर) न्यायालय तहसीलदार दुर्ग** के कक्ष में उपस्थित होकर जमा कर सकते है। उक्त राशि जमा करने के पश्चात ही नीलामी में बोली लगा सकते है।

नीलामी हेतु विक्रय की नियम व शर्तें सहित विस्तृत जानकारी जिला दुर्ग के वेबसाईट www.durg.gov.in में उपलब्ध है, जिसका अवलोकन किया जा सकता है। नीलामी हेतु संपत्ति की जानकारी निम्नानुसार है :-

अनुसूची

क्र.	ग्राम का नाम	नीलामी की जा रही संपत्ति की जानकारी	क्षेत्रफल	आफसेट मूल्य	अमानत राशि (आफसेट मूल्य का 10 प्रतिशत)
1	2	3	4	5	6
1	रिसाली	फ्लैट नंबर 333 (मधुरिशा हाईट्स फेस-3, ई-ब्लॉक, तृतीय तल)	1908.56 वर्गफीट	53,03,275.00	5,30,327/-
2		फ्लैट नंबर 405 (मधुरिशा हाईट्स, ए-ब्लॉक, चतुर्थ तल)	1461.85 वर्गफीट	40,62,102.00	4,06,210/-

यह उदघोषणा आज दिनांक 13/02/2026 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगाकर जारी की गई है।

जी - 252606775/3

मुहर

तहसीलदार
दुर्ग

ट्रांसपोर्टनगर में ट्रक से बैटरी चोरी का खुलासा

रायगढ़। ट्रांसपोर्टनगर क्षेत्र में खड़े ट्रक से बैटरी चोरी की घटना का जूटमिल पुलिस ने 24 घंटे के भीतर खुलासा करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी की गई दो बैटरियां, जिनकी कीमत करीब 15 हजार रुपये बताई जा रही है, बरामद कर ली हैं। दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया है।

मामले में प्रार्थी आनंद अग्रवाल (46 वर्ष), निवासी बैकुंठपुर, थाना कोतवाली रायगढ़ ने 17 फरवरी 2026 को थाना जूटमिल में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया कि उनका ट्रक क्रमांक CG-04-DF-8511 ट्रांसपोर्टिंग कार्य में लगा है। 15 फरवरी की शाम चालक ने ट्रक को छातामुड़ा रोड स्थित मिशनरी ऑफ चैरिटी के सामने खड़ा किया था।

अगली सुबह जब चालक ट्रक के पास पहुंचा तो देखा कि बैटरी बॉक्स टूटा हुआ है और उसमें लगी दो बैटरियां गायब हैं। अपने स्तर पर तलाश करने के बाद जब बैटरियां नहीं मिलीं, तो थाना जूटमिल में शिकायत दर्ज कराई गई। पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ अपराध क्रमांक 55/2026 धारा 303(2) व 3(5) भारतीय न्याय संहिता के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की।

इसी दौरान सूचना मिली कि ट्रांसपोर्टनगर क्षेत्र का रहने वाला ननकी निषाद उर्फ चिल्ली चोरी की बैटरी बेचने की फिराक में है। पुलिस टीम ने ट्रांसपोर्टनगर पुलिस सहायता केंद्र के पास घेराबंदी कर ननकी निषाद उर्फ चिल्ली (38 वर्ष), निवासी सांगीतराई दीपापारा, थाना जूटमिल को हिरासत में लिया। पूछताछ में उसने अपने साथी मिथलेश महतो (32 वर्ष), निवासी तुरकुमुड़ा संतोषी मंदिर के पास, थाना जूटमिल के साथ मिलकर चोरी करना स्वीकार किया।

आरोपियों के मेमोरेंडम के आधार पर पुलिस ने मिथलेश महतो के घर से चोरी की गई दो बैटरियां बरामद कर जब्त कर लीं। उसके विरुद्ध पूर्व में कई बार प्रतिबंधात्मक कार्रवाई भी की जा चुकी है। पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहां से उन्हें न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया है।

म्यूल खातों के जरिए अवैध लेनदेन, आरोपी गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। दुर्ग जिले के जामुल थाना क्षेत्र में साइबर अपराध से जुड़े एक बड़े नेटवर्क का पर्दाफाश हुआ है। पुलिस ने म्यूल खातों के जरिए अवैध लेनदेन कर रहे चार अंतरराज्यीय आरोपियों को गिरफ्तार किया है। ये गिरफ्तारियां सीसीएम मेडिकल कॉलेज रोड, कुरूद स्थित गुप्ता पीजी मकान के पास की गईं।

आरोपियों के कब्जे से 13 बैंक पासबुक, 7 चेकबुक, 18 एटीएम कार्ड, 4 मोबाइल, 12 सिम कार्ड और 5,700 रुपए नकद बरामद किए गए हैं। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि यह गिरोह साइबर ठगों को बैंक खाते उपलब्ध कराकर अवैध कमाई कर रहा था।

जामुल थाना को 19 फरवरी को मुखबिर से सूचना मिली थी कि कुछ युवक दूसरों के बैंक खातों का दुरुपयोग कर संदिग्ध लेनदेन कर रहे हैं। सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने मौके पर घेराबंदी कर चारों संदिग्धों को पकड़ लिया। पूछताछ और तलाशी के दौरान बड़ी मात्रा में बैंकिंग दस्तावेज और इलेक्ट्रॉनिक उपकरण बरामद हुए, जिससे साइबर ठगी के नेटवर्क की पुष्टि हुई।

जब्त खातों का सत्यापन समन्वय पोर्टल पर किया गया। जांच में पता चला कि दो पासबुक और एक चेकबुक से जुड़े खातों में केरल, कर्नाटक, बिहार और गुजरात में साइबर धोखाधड़ी की शिकायतें दर्ज हैं। इससे स्पष्ट है कि गिरोह अंतरराज्यीय स्तर पर सक्रिय था और अलग-अलग राज्यों के साइबर अपराधियों से जुड़ा हुआ था।

इस मामले में पुलिस ने मोहम्मद अब्दुला राईन उर्फ अमन (24) निवासी अहमद नगर कैंप-02 छावनी, हिमांशु पटेल (31) निवासी सेक्टर-01 भिलाई भट्टी, पुट्टा राकेश बाबू (27) निवासी भीमावरम, वेस्ट गोदावरी आंध्र प्रदेश, शुभम स्वाई (20) निवासी सुंदरगढ़ को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के खिलाफ धारा 318(4), 317(2), 3(5) बीएनएस के तहत केस दर्ज कर कोर्ट में पेश किया। जहां से सभी को न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया है।

घर के नौकर निकले चोर, चार आरोपी गिरफ्तार

टिटिलागढ। नुआपाड़ा जिले की खड़ियाल पुलिस ने व्यापारी के घर से 54 लाख के जेवर और नकदी की चोरी के मामले में 4 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनसे पूरा माल बरामद भी कर लिया गया है। पकड़े गए आरोपी पीड़ित व्यापारी के घर पर पहले नौकरी कर चुके थे। आरोपियों में भोलेश्वर ठेला, गणेश ठेला, हेमंत कटा और चूड़ामणि कांड शामिल थे। सभी अंचलपुर गांव के रहने वाले हैं।

पुलिस ने आरोपियों के पास से चोरी का नगदी लगभग 37 लाख 40 हजार 120 रुपये कैश, चांदी के जेवरात करीब 10 लाख रुपए और 7 लाख रुपए के 50 ग्राम सोने के गहने बरामद किए हैं। उनसे 4 मोबाइल और अपराध में इस्तेमाल की गई 2 बाइक भी बरामद की गई है।

खास खबर

छग मीडिया प्रतिनिधिमंडल ने देखा ग्लास स्काईवॉक

रायपुर। छत्तीसगढ़ के मीडिया प्रतिनिधिमंडल ने पेलिंग ग्लास स्काईवॉक और दुनिया की सबसे ऊंची चेनरेजिग प्रतिमा का दौरा किया, जो उनके सात दिवसीय मीडिया दौरे का एक महत्वपूर्ण पड़ाव रहा। यह दौरा वैश्विक आध्यात्मिक पर्यटन में सिक्किम के बढ़ते प्रभुत्व को रेखांकित करता है, जो केंद्रीय बजट 2026-27 के उस प्रस्ताव के साथ मेल खाता है जिसमें पूर्वोत्तर में बौद्ध सर्किट के विकास के लिए एक समर्पित योजना शुरू करने की बात कही गई है।

यहां 21 साल बाद खत्म हुआ श्रीराम का वनवास!

जगदलपुर। वैसे तो भगवान श्रीराम को 14 वर्षों का वनवास हुआ था, मगर बस्तर के 'रामजी' को तो 21 साल का वनवास भोगना पड़ा। 21 बरस बाद जब श्रीरामचंद्र, माता सीता और लखन जी की घर में वापसी हुई तो गांव वालों की आंखों से श्रद्धा और खुशी के आंसू बरसने लगे। इस मंदिर को नक्सलियों ने बंद करवा दिया था। गांव वालों ने उत्साह के साथ हवन पूजन का आयोजन किया। हवन पूजन में राज्य महिला आयोग की सदस्य दीपिका शोरी भी विशेष रूप से शामिल हुईं।

डॉ राजशेखर पाण्डेय को नागार्जुन अवार्ड

रायपुर। विश्व आयुर्वेद मिशन ने डिजिटल हेल्थ एण्ड आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस में इनोवेशन का आयुर्वेद विषय पर आभासी माध्यम से वैज्ञानिक संगोष्ठी का आयोजन किया। जिसमें ब्राह्मणपारा रायपुर छत्तीसगढ़ के ख्यातिलब्ध रस शास्त्री डॉ राजशेखर पांडे को आयुर्वेदिक औषधि निर्माण के क्षेत्र में डिजिटलीकरण एवं आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के लिए नागार्जुन अवार्ड प्रदान किया गया।

यूनिसेफ प्रतिनिधिमंडल ने की ग्राम आड़ावाल में जल प्रबंधन और स्वच्छता कार्यों की सराहना, दिए टिप्स

श्रीकंचनपथ समाचार

जगदलपुर। जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में जल और स्वच्छता के मानकों को बेहतर बनाने की दिशा में आज एक महत्वपूर्ण पहल देखी गई। यूनिसेफ की जल, स्वच्छता एवं स्वास्थ्य विशेषज्ञ सुश्री स्वेता पटनायक ने आड़ावाल ग्राम पंचायत का सघन भ्रमण कर ग्राम पंचायत की कार्यप्रणाली और स्वच्छता ढांचे का बारीकी से निरीक्षण किया। उनके इस प्रवास की शुरुआत समीक्षा बैठक से हुई, जिसमें सरपंच, उपसरपंच, स्वच्छ भारत मिशन के समन्वयक और श्रृष्टि वेस्ट मैनेजमेंट के प्रतिनिधियों सहित पंचायत की पूरी टीम ने हिस्सा लिया।

बैठक के दौरान सुश्री पटनायक ने इस बात पर विशेष जोर दिया कि ग्रामीण स्तर पर जल और स्वच्छता सेवाएं न केवल उपलब्ध होनी चाहिए, बल्कि वे सतत और सुदृढ़ भी हों। चर्चा के मुख्य केंद्र में घर-घर नल कनेक्शन की स्थिति और फील्ड टेस्टिंग किट के माध्यम से नियमित जल गुणवत्ता परीक्षण जैसे तकनीकी विषय रहे।

संवाद के पश्चात जमीनी हकीकत परखने के लिए सुश्री पटनायक ने समूचे क्षेत्र का भ्रमण किया। इस दौरान उन्होंने कचरा प्रबंधन के लिए बनाए गए सेग्रीगेशन शेड का निरीक्षण किया और घर-घर जाकर नल कनेक्शनों के माध्यम से हो रही जलापूर्ति की गुणवत्ता देखी। कचरा संग्रहण की व्यवस्था का जायजा लेते हुए उन्होंने टीम को उच्च मानकों को बनाए रखने प्रेरित किया।

रायगढ़ मेडिकल कॉलेज अस्पताल में निःशुल्क कूल्हा एवं घुटना प्रत्यारोपण, 10 सफल सर्जरी

इलाज पहुंचा गरीबों की पहुंच के भीतर, बड़े शहरों में जाकर इलाज कराना इनके लिए नहीं था संभव

श्रीकंचनपथ समाचार

रायगढ़। रायगढ़ मेडिकल कॉलेज से संबद्ध संत बाबा गुरु घासीदास जी स्मृति शासकीय चिकित्सालय के अस्थि रोग विभाग में अब घुटना प्रत्यारोपण एवं कूल्हा प्रत्यारोपण जैसी जटिल सर्जरी की सुविधा सफलतापूर्वक शुरू कर दी गई है। अब तक जिन मरीजों को ऐसे ऑपरेशन के लिए बड़े शहरों का रुख करना पड़ता था और लाखों रुपये खर्च करने पड़ते थे, उन्हें अपने ही जिले में ही अत्याधुनिक तकनीक से सुरक्षित उपचार मिल रहा है।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में स्वास्थ्य अधोसंरचना को मजबूत करने की दिशा में लगातार कार्य किया जा रहा है। स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल एवं वित्त मंत्री ओपी चौधरी के मार्गदर्शन में रायगढ़ मेडिकल कॉलेज में अत्याधुनिक चिकित्सा सुविधाओं का विस्तार तेजी से हो रहा है।

अधिष्ठाता डॉ. संतोष कुमार एवं अस्पताल अधीक्षक डॉ. मनोज कुमार मिंज के नेतृत्व में यह नई सुविधा प्रारंभ की गई है। अधिष्ठाता डॉ. संतोष कुमार ने

बताया कि निजी अस्पतालों में प्रति जोड़ प्रत्यारोपण सर्जरी पर लगभग 2.5 से 3 लाख रुपये तक का खर्च आता है, जबकि शासकीय मेडिकल कॉलेज रायगढ़ में यह सुविधा आयुष्मान योजना के अंतर्गत नि:शुल्क है।

28 वर्षीय मरीज छविराज कुमार ने बताया कि उन्हें लंबे समय से पैर में गंभीर समस्या थी। चलने-फिरने में काफी परेशानी होती थी। उन्होंने पहले निजी अस्पताल में परामर्श लिया था, जहां सर्जरी के लिए लगभग ढाई लाख रुपये का खर्च बताया गया।

रायगढ़ मेडिकल कॉलेज अस्पताल में आयुष्मान योजना के तहत सर्जरी की सुविधा शुरू होने की जानकारी मिलने पर उन्होंने यहां उपचार कराया। ऑपरेशन के बाद अब उनके पैर में कोई परेशानी नहीं है। ऑपरेशन के दूसरे दिन से ही वे चलने लगे थे और अब वे पूरी तरह सहज और आत्मविश्वास के साथ चल-फिर पा रहे हैं। छविराज ने चिकित्सकों की टीम और अस्पताल प्रबंधन के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उन्हें नि:शुल्क और उच्चस्तरीय उपचार मिलने से उनके जीवन में बड़ा सकारात्मक बदलाव आया है।

अस्थि रोग विभागाध्यक्ष डॉ. प्रवीण जांगड़े ने बताया कि गठिया, ऑस्टियोआर्थराइटिस, रूमेटॉइड आर्थराइटिस, दुर्घटना के बाद जोड़ों की क्षति अथवा लंबे समय से घुटने और कूल्हे के असहनीय दर्द से पीड़ित मरीजों के लिए जॉइंट रिप्लेसमेंट सर्जरी अत्यंत प्रभावी उपचार है।

उन्होंने बताया कि सर्जरी के बाद मरीजों के दर्द में उल्लेखनीय कमी आती है और वे तेजी से सामान्य जीवन की ओर लौटते हैं। चलने-फिरने की क्षमता में सुधार होने से मरीजों की जीवन गुणवत्ता में सकारात्मक बदलाव देखने को मिल रहा है। डॉ. जांगड़े ने आमजन से अपील की है कि घुटने या कूल्हे की पुरानी समस्या को नजरअंदाज न करें और समय रहते अस्थि रोग विभाग की ओपीडी में विशेषज्ञ चिकित्सकों से परामर्श लेकर उचित उपचार कराएं।

10 प्रत्यारोपण सर्जरी

अस्पताल अधीक्षक डॉ. एम.के. मिंज ने बताया कि अस्पताल में घुटना एवं कूल्हा प्रत्यारोपण की सुविधा अत्याधुनिक तकनीक और निर्धारित चिकित्सकीय प्रोटोकॉल के तहत उपलब्ध है। अस्थि रोग विभागाध्यक्ष डॉ. प्रवीण जांगड़े एवं एनेस्थीसिया विभागाध्यक्ष डॉ. ए.एम. लकड़ा की विशेषज्ञ टीम द्वारा इन सर्जरी को पूर्ण सुरक्षा और दक्षता के साथ किया जा रहा है। विगत कुछ दिनों में लगभग 10 मरीजों की सफलतापूर्वक सर्जरी की गई है, जिसमें 5 कूल्हा और 5 घुटना प्रत्यारोपण शामिल हैं।

नाट्य 'जाणता राजा' में जीवंत हुई शिवाजी की गौरवगाथा : मुख्यमंत्री

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि छत्रपति शिवाजी महाराज का जीवन साहस, धैर्य, रणनीति और आदर्श नेतृत्व का प्रेरक उदाहरण है, इसलिए हम सभी को अपने जीवन में शिवाजी जैसा लक्ष्य निर्धारित करना चाहिए। उन्होंने कहा कि शिवाजी महाराज ने विपरीत परिस्थितियों में भी अद्भुत साहस और बुद्धिमत्ता का परिचय दिया।

अफजल खाँ के साथ हुई घटना का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि शिवाजी ने संकट को भांपकर धैर्य और रणनीति से निर्णय लिया और विजय प्राप्त की। इसी प्रकार शाइस्ता खान के विरुद्ध उनकी युक्तिपूर्ण रणनीति यह सिखाती है कि बड़े से बड़े शत्रु को भी सूझबूझ और साहस से पराजित किया जा सकता है।

मुख्यमंत्री ने ऐतिहासिक महानाट्य 'जाणता राजा' के मंचन के दौरान यह बात कही। श्री साय ने कहा कि शिवाजी महाराज केवल महान योद्धा ही नहीं, बल्कि उच्च आदर्शों वाले शासक भी थे। उन्होंने सभी धर्मों के लोगों की आस्था का सम्मान किया और महिलाओं के सम्मान को सर्वोच्च प्राथमिकता दी। शिवाजी महाराज का चरित्र हमें मर्यादा, नैतिकता और सम्मानजनक आचरण का संदेश देता है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने अपने छात्र जीवन की स्मृतियों को साझा करते हुए महाकवि भूषण की पंक्तियों का उल्लेख किया, जिनमें शिवाजी महाराज के पराक्रम और वीरता का अद्भुत वर्णन मिलता है। उन्होंने कहा कि शिवाजी का जीवन केवल इतिहास नहीं, बल्कि प्रेरणा का स्रोत है, जो हमें दृढ़ रहने की प्रेरणा देता है।

'जाणता राजा' का यह विशेष मंचन 22 फरवरी तक प्रतिदिन शाम को साइंस कॉलेज मैदान में प्रस्तुत किया जाएगा। लगभग तीन घंटे की यह प्रस्तुति छत्रपति शिवाजी महाराज के जीवन और हिंदवी स्वराज्य की स्थापना की गाथा पर आधारित है।

खनिज संपदा से समृद्ध छत्तीसगढ़ के विकास में अपना योगदान दें नव नियुक्त खनि निरीक्षक : मुख्यमंत्री साय

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने आज अपने निवास कार्यालय में छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग द्वारा चयनित नव नियुक्त खनि निरीक्षकों को नियुक्ति पत्र प्रदान किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ खनिज संपदा की दृष्टि से देश के सबसे समृद्ध राज्यों में से एक है और खनिज प्रशासन के प्रभावी संचालन में मैदानी अमले की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने नव चयनित खनि निरीक्षकों को बधाई और शुभकामनाएं देते हुए कहा कि युवाओं पर ही देश और प्रदेश का भविष्य निर्भर करता है। उन्होंने कहा कि खनिज विभाग में नई नियुक्तियों से विभागीय कार्यबल मजबूत होगा तथा खनिज अन्वेषण और खनन गतिविधियों को और गति मिलेगी।

उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि नवनियुक्त खनि निरीक्षक अपने दायित्वों का समुचित निर्वहन करते हुए खनिज प्रशासन से जुड़े कार्यों के प्रभावी क्रियान्वयन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ की धरती लौह अयस्क, कोयला, बॉक्साइट, लाइमस्टोन, टिन, डायमंड, गोल्ड और लिथियम सहित विभिन्न खनिज संपदाओं से परिपूर्ण है।

खनिज राज्य के राजस्व का प्रमुख स्रोत भी हैं और सरकार खनिज राजस्व में वृद्धि के लिए निरंतर प्रयास कर रही है। मुख्यमंत्री श्री साय ने नवनियुक्त अधिकारियों को खनिज राजस्व वृद्धि में सक्रिय योगदान देने के लिए प्रेरित किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि खनि निरीक्षक के रूप में आप सभी के ऊपर बड़ी जिम्मेदारी है। पारदर्शिता, ईमानदारी और निष्ठा के साथ कार्य करते हुए राज्य के संसाधनों के संरक्षण और सुव्यवस्थित उपयोग में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएं।

उल्लेखनीय है कि छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग द्वारा 15 अक्टूबर 2025 को 33 खनि निरीक्षकों की चयन सूची जारी की गई थी। खनिज साधन विभाग द्वारा 19 फरवरी 2026 को कुल 32 खनि निरीक्षकों की नियुक्ति आदेश जारी किए गए, जिनमें से 30 नव चयनित खनि निरीक्षकों को आज मुख्यमंत्री द्वारा नियुक्ति पत्र प्रदान किया गया।

इस अवसर पर छत्तीसगढ़ खनिज विकास निगम के अध्यक्ष सौरभ सिंह, सचिव खनिज साधन विभाग पी दयानंद, संचालक भौमिकी एवं खनिकर्म रजत बंसल सहित विभाग के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

शहीद वीरनारायण सिंह जनजातीय संग्रहालय में श्रमदान से पूरा करेंगे स्वच्छता का संकल्प

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। नवा रायपुर स्थित शहीद वीर नारायण सिंह स्मारक सह जनजातीय स्वतंत्रता संग्राम सेनानी संग्रहालय का आज प्रमुख सचिव सोनमणी बोरा ने निरीक्षण किया। उन्होंने कहा राज्य के नवा रायपुर में बेहतरीन डिजिटल संग्रहालय बनकर तैयार हुआ है। इनका रख-रखाव तथा रंगरोदन करना भी हमारी जिम्मेदारी है।

उन्होंने संग्रहालय को स्वच्छ और साफ-सुथरे (नीट एण्ड क्लीन) रखने पर भी विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि संग्रहालय का अवलोकन करने राज्य के विभिन्न जिलों, देश के अन्य राज्यों सहित विदेशों से भी पर्यटक आ रहे हैं। संग्रहालय से प्रदेश का मान सम्मान देश-दुनिया में बढ़ा है।

श्री बोरा ने कहा कि विभाग के सभी अधिकारी-कर्मचारी संकल्प ले कि महीने में कम से कम एक

दिन संग्रहालय में श्रम दान करेंगें और स्वच्छता के प्रति लोगों को जागरूक करेंगें। उन्होंने कहा कि वे स्वयं भी श्रमदान करने आएंगे। प्रमुख सचिव श्री बोरा ने कहा कि जनजातीय संग्रहालय फेस-2 निर्माण के लिए जल्द ही कार्य प्रक्रिया शुरू किया जाएगा। इसके साथ ही कन्वेंशन सेंटर का भी निर्माण किया जाएगा।

इस दौरान आदिम जाति विकास विभाग के आयुक्त डॉ. सारांश मित्तर, छत्तीसगढ राज्य अंत्याव्यवसायी विकास निगम के संचालक डॉ. जगदीश सोनकर, आदिम जाति अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान की संचालक हिना अनिमेष नेताम, सयुक्त सचिव बीके राजपूत, कार्यपालन अभियंता त्रिदिप चक्रवर्ती, रायपुर जिला के सहायक आयुक्त शरदचन्द्र शुक्ला सहित विभाग के वरिष्ठ अधिकारी, आर्किटेक्ट, इंजीनियर्स तथा आर्टिस्ट उपस्थित थे।

गौरतलब है कि छत्तीसगढ़ निर्माण के 25 वर्ष पूर्ण होने पर रजत जयंती वर्ष एक नवंबर को राज्योत्सव के अवसर पर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के कर कमलों से जनजातीय स्वतंत्रता संग्राम सेनानी संग्रहालय का शुभारंभ हुआ था। इसके पहले जनजातीय जीवन शैली एवं परम्पराओं पर आधारित संग्रहालय का उद्घाटन मई 2025 में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने किया था। अब यहां फेस-2 का कार्य शीघ्र ही प्रारंभ किया जाएगा।

प्रमुख सचिव श्री बोरा ने बैठक में कहा कि संग्रहालय में कैफेटेरिया, गढ़ कलेवा एवं अन्य दुकानें भी खोली जानी हैं। उन्होंने संग्रहालय फेस-2 के अंतर्गत ही आकर्षक बागवानी, परिसर के भीतर स्थित नंद सागर का सौंदर्यीकरण, फॉउंटेन एवं पार्किंग की बेहतर व्यवस्था के निर्देश अधिकारियों को दिए।

छत्तीसगढ़ को देश की ऊर्जा राजधानी बनाने बनाई रूपरेखा, कार्ययोजना को साझा किया

■ ऊर्जा विभाग के सचिव डॉ. रोहित यादव की पत्रवार्ता

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। ऊर्जा विभाग के सचिव डॉ. रोहित यादव ने आज नया रायपुर स्थित छत्तीसगढ संवाद के ऑडिटोरियम में पत्रकारों के साथ ऊर्जा विभाग की उपलब्धियों और आगामी योजनाओं पर विस्तार से अपने विचार साझा किए। उन्होंने बताया कि प्रदेश में ऊर्जा उत्पादन, पारेषण और वितरण के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति हुई है तथा आने वाले वर्षों के लिए एक व्यापक कार्ययोजना पर तेजी से काम किया जा रहा है।

डॉ. यादव ने कहा कि भारत सरकार का फोकस ताप विद्युत पर निर्भरता कम कर कार्बन उत्सर्जन घटाने पर है। नेट जीरो कार्बन लक्ष्य के तहत वर्ष 2030 तक 500 गीगावॉट अक्षय ऊर्जा क्षमता विकसित करने का लक्ष्य रखा गया है, जिससे देश की 50 प्रतिशत ऊर्जा आवश्यकता नवीकरणीय स्रोतों से पूरी की जा सके। इस दिशा में जल विद्युत एवं पंप स्टोरेज परियोजनाओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है, जो ग्रिड संतुलन बनाए रखने में सहायक होंगी।

राज्य शासन द्वारा पंप स्टोरेज आधारित जल विद्युत परियोजनाओं को बढ़ावा देने के लिए नीति 2023 लागू की गई है। इसके तहत छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर जनरेशन कंपनी द्वारा 8,300 मेगावाट क्षमता के छह स्थलों का चिन्हांकन किया गया है, जिनमें से पांच के फिजिबिलिटी रिपोर्ट तैयार हो चुकी है और डीपीआर निर्माणाधीन है। निजी क्षेत्र में भी लगभग 5,000 मेगावाट क्षमता की परियोजनाओं पर कार्य जारी है।

ऊर्जा सचिव ने बताया कि प्रदेश को देश की ऊर्जा राजधानी बनाने की दिशा में 32 हजार 100 मेगावाट क्षमता की नई परियोजनाओं हेतु विभिन्न संस्थाओं के साथ एमओयू किए गए हैं। इन परियोजनाओं में 12 हजार 100 मेगावाट ताप विद्युत, 4 हजार 200 मेगावाट न्यूक्लियर, 2 हजार 500 मेगावाट फ्लोटिंग सोलर तथा 13 हजार 300 मेगावाट पंप स्टोरेज क्षमता शामिल है। इन सभी परियोजनाओं के माध्यम से लगभग 3.4 लाख करोड़ रुपये के निवेश का मार्ग प्रशस्त हुआ है, जिसमें कई प्रमुख संस्थाएं भागीदार हैं।

डॉ. यादव ने बताया कि छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर जनरेशन कंपनी द्वारा कोरबा पश्चिम में 660-660 मेगावाट की दो सुपर क्रिटिकल इकाइयों एवं मड़वा में 800 मेगावाट की इकाई स्थापित करने की दिशा में कार्य प्रगति पर है।

इस दौरान सीएसपीडीसीएल के एमडी भीम सिंह कंवर, सीएसपीजीसीएल के एमडी एस के कटियार, सीएसपीटीसीएल के एमडी राजेश कुमार शुक्ला सहित वरिष्ठ विभागीय अधिकारीगण मौजूद रहे।

30,671.7 मेगावाट की क्षमता

डॉ. यादव ने बताया कि वर्तमान में छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर जनरेशन कंपनी, एनटीपीसी तथा निजी उत्पादकों को मिलाकर प्रदेश की कुल स्थापित विद्युत क्षमता 30 हजार 671.7 मेगावाट है। इसमें 28 हजार 824 मेगावाट ताप विद्युत, 220 मेगावाट जल विद्युत तथा सोलर, बायोमास आदि स्रोतों से 2,047 मेगावाट क्षमता शामिल है। ताप विद्युत क्षेत्र में छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर जनरेशन कंपनी की 2,840 मेगावाट, एनटीपीसी व निजी स्वामित्व के बिजलीघरों की 20 हजार 299 मेगावाट तथा कैप्टिव पॉवर प्लांट्स की 5 हजार 266 मेगावाट क्षमता है।

ग्रीन एनर्जी प्रोजेक्ट

नवीकरणीय ऊर्जा विस्तार के तहत एनटीपीसी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड एवं राज्य उत्पादन कंपनी के संयुक्त उपक्रम द्वारा लगभग 2 हजार मेगावाट क्षमता की परियोजनाएं विकसित की जा रही हैं। इनमें अटल बिहारी ताप विद्युत गृह के जलाशय में 6 मेगावाट फ्लोटिंग सोलर, कोरबा पूर्व के बंद राखड़ बांध पर 32 मेगावाट सौर संयंत्र तथा 500 मेगावाट-ऑवर बैटरी एनर्जी स्टोरेज सिस्टम की स्थापना होगी।

131 उपकेन्द्र डिडिटल नेटवर्क पर

दिसंबर 2023 से जनवरी 2026 के बीच उपकेन्द्रों की संख्या 132 से बढ़कर 137 हो गई। 132 केवी लाइनों में पुराने कंडक्टरों को उच्च क्षमता वाले एचटीएलएस कंडक्टर से बदला जा रहा है। साथ ही 5 हजार 200 किमी ऑप्टिकल फाइबर ग्राउंड वायर का इंस्टॉलेशन पूर्ण कर 131 उपकेन्द्रों को डिजिटल संचार नेटवर्क से जोड़ा गया है।

65 लाख हो गए उपभोक्ता

ऊर्जा सचिव ने बताया कि प्रदेश में उपभोक्ताओं की संख्या 65 लाख से अधिक हो गई है। विगत दो वर्षों में हजारों किमी नई लाइनें, उपकेन्द्र एवं ट्रांसफार्मर स्थापित किए गए हैं। प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना, पीएम कुसुम, डॉ. खूबचंद बघेल किसान विद्युत सहायता योजना एवं बीपीएल उपभोक्ताओं को मुफ्त बिजली जैसी योजनाओं से लाखों परिवार लाभान्वित हो रहे हैं। नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में विद्युतीकरण हेतु नियद नेल्ला नार योजना के अंतर्गत सैकड़ों गांवों तक बिजली पहुंचाई गई है।

सोलर ऊर्जा की उपलब्धियां

ऊर्जा सचिव ने बताया कि विगत दो वर्षों में 26,794 सोलर सिंचाई पंप, 7,833 सोलर पेयजल पंप तथा 1,709 सोलर हाईमास्ट स्थापित किए गए हैं। आगामी वर्षों में ऑफग्रिड सोलर प्लांट्स एवं रूफटॉप सौर संयंत्रों के विस्तार की कार्ययोजना पर भी कार्य जारी है।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950